শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 10 | गुवाहाटी | मंगलवार, 6 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बांग्लादेश के हालातों पर पीएम मोदी ने बुलाई हाईलेवल मीटिंग पेज 2 | मुख्यमंत्री ने सरकारी कर्मचारियों को कर्मश्री और लोक सेवा पुरस्कार प्रदान किए पेज 3 | कांग्रेस विधायक भाकर विधानसभा के बजट सत्र से निलंबित, सदन में मार्शलों ... पेज 5 | पेरिस ओलंपिक : नोआह लाइल्स ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में जीता स्वर्ण पेज 7

बांग्लादेश में तख्तापलट

देश छोड़ भागीं हसीना, भारत हाई अलर्ट पर

नई दिल्ली। बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद शेख हसीना ने सोमवार को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। पूर्व पीएम इस्तीफा देने के बाद अब सुरक्षित जगह पर चली गई हैं। इससे पहले सेना ने शेख हसीना को इस्तीफा देने के लिए सिर्फ 45 मिनट का समय दिया था, जिसके बाद उन्होंने जल्दबाजी में राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को अपना इस्तीफा सौंप दिया। वहीं, शेख हसीना के पीएम पद से इस्तीफे के बाद हजारों प्रदर्शनकारियों ने उनके सरकारी आवास पर धावा बोल दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कई प्रदर्शनकारी उनके आवास से महंगे गिफ्ट और कई तरह के सामान अपने हाथों में लिए हुए नजर आ रहे हैं। समाचार एजेंसी एएफपी के मुताबिक, देश छोड़ने से पहले हसीना राष्ट्र को संबोधित करना चाहती थीं, लेकिन उनकी सुरक्षा दल ने इस प्रस्ताव को नहीं माना। वहीं, शेख हसीना के पीएम पद से इस्तीफे के बाद गहराई राजनीतिक संकट पर सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल वाकर-उज-जमां का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि अब अंतरिम सरकार ही देश चलाएगी। उन्होंने बताया कि शेख हसीना के इस्तीफे के बाद एक बैठक की गई, जिसमें सेना के साथ चर्चा में मुख्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे। मालूम हो कि देश में लंबे समय से जारी हिंसक प्रदर्शन में अब तक 300 से अधिक लोग मारे गए हैं।

सिर्फ 45 मिनट हैं आपके पास...
सेना प्रमुख का अल्टीमेटम

ढाका में इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र पर हमला, बंगबंधु मुजीबुर रहमान की मूर्ती तोड़ी

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी के धानमंडी इलाके में स्थित इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र (आईजीसीसी) और बंगबंधु स्मारक संग्रहालय को एक उपद्रवी भीड़ ने सोमवार को क्षतिग्रस्त कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। *ढाका ट्रिब्यून* अखबार की खबर के अनुसार, सोमवार अपराह्न प्रदर्शनकारियों ने ढाका में कई प्रमुख स्थानों पर आगजनी की, जिसमें धानमंडी 32 स्थित बंगबंधु भवन भी शामिल है, जिसे बंगबंधु स्मारक संग्रहालय -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार बनेगी : सेनाध्यक्ष

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच आज प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद पहली बार सेनाध्यक्ष जनरल वकार-उज-जमान ने देश के नागरिकों को संबोधित किया। उन्होंने शेख हसीना के इस्तीफा देने के बाद एलान किया कि अब अंतरिम सरकार का गठन किया जाएगा, सेना पर भरोसा रखें। इस बीच बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री आवास में दाखिल हो गए हैं। बांग्लादेश के सेना प्रमुख ने देश को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री शेख हसीना अपने पद से इस्तीफा देने के बाद देश छोड़कर चली गईं हैं। देश में शांति व्यवस्था बनाए रखें। आइए मिलकर काम करें। लड़ने से कुछ नहीं मिलेगा। हमने मिलकर बांग्लादेश को एक खूबसूरत देश बनाया है। सेनाध्यक्ष जमान ने कहा कि हमने सभी राजनीतिक दलों के साथ सार्थक चर्चा के बाद अंतरिम सरकार बनाने का फैसला लिया है। हम स्थिति को -शेष पृष्ठ दो पर

भारत के कुछ इलाकों में बढ़ सकती है अस्थिरता, पूर्व विदेश सचिव ने जताई आशंका

नई दिल्ली। बांग्लादेश में अशांति की स्थिति बढ़ने के बीच पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि अस्थिर बांग्लादेश भारत के कई हिस्सों में अस्थिरता बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे वार्ताकार बांग्लादेश में संबंधित लोगों से संपर्क करेंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे व्यापक हितों की रक्षा हो। बांग्लादेश में उच्चायुक्त रह चुके श्रृंगला ने भारत और बांग्लादेश के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित पक्षों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। बता दें कि पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला की ये प्रतिक्रिया बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के सोमवार को इस्तीफा देने और देश छोड़ने के बाद सामने आई है। पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि, एक शांतिपूर्ण, समृद्ध, स्थिर बांग्लादेश भारत के लिए सबसे अच्छा है। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम सभी संबंधित पक्षों के साथ मिलकर काम करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे और बांग्लादेश के हित सुरक्षित -शेष पृष्ठ दो पर

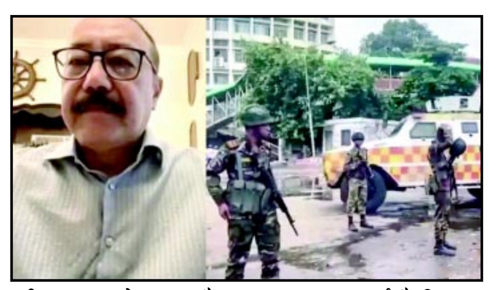

डोभाल ने की हसीना से मुलाकात जयशंकर पीएम मोदी से की बातचीत

नई दिल्ली (हि.स.)। पड़ोसी देश बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद भारत में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर कल इस संबंध में संसद में बयान दे सकते हैं। इसी बीच सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने हिंडन एयरबेस पर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की। भारतीय वायु सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियां उन्हें सुरक्षा प्रदान कर रही हैं और उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाया जा रहा है। बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति और हिंडन एयर बेस पर उनकी भविष्य की कार्रवाई पर चर्चा हुई है। मौजूदा घटनाक्रम को -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश : विदेश मंत्री से मिले राहुल गांधी

कार्ति चिदंबरम बोले- हम भारत सरकार के साथ

नई दिल्ली। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा के मानसून सत्र से इतर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से मुलाकात की। दोनों ने बांग्लादेश के हालिया घटनाक्रम पर चर्चा की। कांग्रेस सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। बांग्लादेश में राजनीतिक संकट पर कांग्रेस सांसद कार्ति पी चिदंबरम ने कहा कि हमें यह देखने को मिला कि वर्तमान स्थिति हमारी सीमा सुरक्षा को कैसे प्रभावित करने वाली है। यदि बांग्लादेश में कोई भारतीय नागरिक हैं तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वे सभी सुरक्षित हैं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि हम यह भी सुनिश्चित करने जा रहे हैं कि बांग्लादेश से हमारी सीमाओं में आने वाले शरणार्थियों की कोई आमद न हो। सभी यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारे हित सर्वोपरि हैं, राजनीतिक दल भारत सरकार के पीछे एकजुट होंगे। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति को देखते हुए हमें अपनी सीमाओं को सुरक्षित रखना होगा। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार और केंद्र सरकार को मिलकर काम करना चाहिए। हम चाहते हैं कि केंद्र सरकार देश को मौजूदा स्थिति से अवगत कराए। बांग्लादेश में रहने वाले सभी भारतीय सुरक्षित रहें। विदेश मंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में बगावत के बाद मंदिरों और हिंदुओं के घरों में तोड़फोड़, एक हिंदू की मौत

ढाका। बांग्लादेश में जारी हिंसक झड़पों में अब तक 300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे और देश छोड़ने के बीच प्रदर्शनकारी हिंदुओं को निशाना बना रहे हैं। रविवार को हुई भीषण झड़प में 14 पुलिसकर्मियों समेत 100 लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों अन्य घायल हो गए। कट्टरपंथियों ने हिंदुओं और मंदिरों पर हमले किए। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस्कॉन और काली मंदिरों समेत हिंदुओं के घरों को निशाना बनाया गया। हिंसा और तोड़फोड़ को देखते हुए मंदिरों के भक्तों को शरण लेने के लिए मजबूर पड़ा। हिंसा में एक हिंदू की भी मौत हुई है। ऐसे में भारत सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। भारत ने लोगों को यात्रा से बचने को कहा। बांग्लादेश में इस समय इंटरनेट और मोबाइल -शेष पृष्ठ दो पर

धुबड़ी इंटरनेशनल ट्रेड सेंटर तीन दिन के लिए बंद

गुवाहाटी (हि.स.)। पड़ोसी देश बांग्लादेश में गृहयुद्ध जैसी स्थिति के चलते धुबड़ी में भी भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। धुबड़ी में सोनाहाट इंटरनेशनल ट्रेड सेंटर को आज से तीन दिन के लिए बंद कर दिया गया है। साथ ही बांग्लादेश के साथ सभी आयात और निर्यात रोक दिए गए हैं। सीमा शुल्क विभाग ने धुबड़ी के सोनाहाट से बांग्लादेश तक पत्थर से लदे ट्रकों की आवाजाही पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

कोलकाता में बांग्लादेश हाई कमीशन के सामने बढ़ाई गई सुरक्षा

कोलकाता (हि.स.)। कोलकाता में स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन के कार्यालय के सामने सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लालबाजार पुलिस मुख्यालय ने हाई कमीशन के सामने पुलिसकर्मियों की संख्या में इजाफा किया है। अब, सामान्य दिनों की तुलना में वहां अधिक पुलिस बल तैनात किया गया है। लालबाजार के लगभग 15 से 20 पुलिस अधिकारी हाई कमीशन की सुरक्षा में तैनात हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हाई कमीशन के सामने विरोध प्रदर्शन की संभावना को देखते हुए यह सुरक्षा बढ़ाई गई है। सामान्य स्थिति में, बांग्लादेश हाई कमीशन के सामने चार से पांच पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह संख्या बढ़ा दी गई है। जैसे ही बांग्लादेश से समाचार मिला, कोलकाता में -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश संकट पर केंद्र जो कहेगा, वही करेगा राज्य : ममता

कोलकाता (हि.स.)। बांग्लादेश में जारी विरोध प्रदर्शनों और राजनीतिक अस्थिरता के बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि राज्य सरकार बांग्लादेश मुद्दे पर केंद्र सरकार के निर्देशों का पालन करेगी। उन्होंने राज्य के मंत्रियों को भी इस मामले पर बयान देने से मना किया है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे के बाद हजारों लोग सड़कों पर उतर आए हैं और उनके निवास *गणभवन* में विजय जुलूस निकाला गया है। सड़कों पर जनता का उल्लास देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा में सोमवार को बांग्लादेश के हालात पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि शांत रहें। उकसाने वाले बयान न दें। बांग्लादेश के मामले में केंद्र जो कहेगा, वही राज्य करेगा। ममता ने बताया कि उन्हें विधानसभा में ही बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के इस्तीफे और दिल्ली रवाना होने की खबर मिली। इसके बाद उन्होंने मुख्य सचिव बीपी गोपालिका और राज्य पुलिस के डीजी राजीव कुमार के साथ चर्चा की। चर्चा के बाद पत्रकारों से बातचीत में ममता ने कहा कि देश की जो सरकार है, उस पर छोड़ दें। आप खुद ऐसे बयान न दें जिससे हिंसा या विरोध हो। हम सभी बांग्लादेश की स्थिति से चिंतित हैं, लेकिन ऐसी कोई बात न कहें जिससे बंगाल या भारत की शांति भंग हो। मैं सभी से यह अनुरोध करती हूं, विशेष रूप से भाजपा नेताओं से, क्योंकि आपने पहले ही कुछ ऐसा पोस्ट किया है जो नहीं किया जाना चाहिए। मैं अपने नेताओं से भी कह रही हूं कि कोई भी पोस्ट न करें। सूत्रों के अनुसार, ममता ने कैबिनेट बैठक में भी यही निर्देश दिए। उन्होंने मंत्रियों को बांग्लादेश की स्थिति पर कोई टिप्पणी करने से मना किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम विस्तृत जानकारी नहीं जानते। इसलिए मैं सभी को शांत रहने की अपील करती हूं। कोई भी उत्तेजना न फैलाए और न ही उसमें शामिल हो। यह दो राष्ट्रों के बीच का मामला है। यह विदेश मंत्रालय के अधीन है। भारत सरकार नजर रख रही है, वे जो कहेंगे, हम वही करेंगे। उल्लेखनीय है कि जुलाई के मध्य में बांग्लादेश में सरकारी नौकरी में कोटा सुधार के मुद्दे पर विवाद शुरू हुआ था। छात्र-छात्राओं ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट ने कोटा सुधार के पक्ष में फैसला दिया था, लेकिन कई सप्ताह के प्रदर्शनों के बाद प्रदर्शनकारी छात्रों ने अपनी नौ सूत्रीय मांगों को कम कर एक ही मांग पर केंद्रित कर दिया। वह था हसीना सरकार का इस्तीफा। रविवार को देश भर में कर्फ्यू लगाया गया, लेकिन विरोध जारी रहा। सोमवार को सेना प्रमुख के राष्ट्र के नाम संबोधन के बाद हसीना के इस्तीफे की खबर आई। इसके बाद जनता सड़कों पर उतर आई और गणभवन में विजय जुलूस निकाला गया।

भारत-बांग्लादेश के बीच सड़क, रेल और हवाई यातायात बंद

कोलकाता (हि.स.)। भारत और बांग्लादेश के बीच सड़क, रेल और हवाई मार्गों का संपर्क वर्तमान में बंद कर दिया गया है। सोमवार रात 11 बजे तक ढाका के शाहजालाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी बंद कर दिया गया है। पिछले कुछ दिनों से भारत और बांग्लादेश के बीच सभी ट्रेन और बस सेवाएं बंद हैं। आज बांग्लादेश में हुए ताजा घटनाक्रम के बाद सोमवार दोपहर से भारत-बांग्लादेश यात्रा के सभी मार्ग बंद हो गए हैं, जिससे दोनों देशों के सीमावर्ती क्षेत्रों में लोग चिंतित हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa cÆurga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

NAME CHANGE

I,Nisha Dhariwal D/0 Vimal Singh Dhariwal aged 32 years, R/o Lawkhowa Road, Near, Marwari Hindi High School Haibargaon, P.S Sadar, Dist. Nagaon has changed my name to Nisha Maloo, W/O Harshit Maloo for all purpose vide affidavit No. HF0014058981 at Nagaon Court Premises Dated : 03/08/2024

सुचना

मैं उत्पल तालुकदार तेजपुर कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज में कार्यरत था, पिछले चार महीनों से मेरा कॉलेज के साथ कोई संबंध नहीं हैं, मैंने संपूर्ण रूप से कॉलेज छोड़ दिया है, अत: कॉलेज के संबंध में किसी को किसी भी प्रकार की सूचना या जानकारी चहिए तो कृपया नवनियुक्त प्रिंसिपल या प्रबंधन से संपर्क कर सकते हैं।

बांग्लादेश के हालातों पर पीएम मोदी ने बुलाई हाईलेवल मीटिंग

रक्षा मंत्री राजनाथ, गृह मंत्री अमित शाह मौजूद

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बांग्लादेश के मौजूदा हालातों को लेकर बैठक कर रहे हैं। बैठ प्रधानमंत्री आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और पीएम के अधिकारी मौजूद हैं। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। बांग्लादेश की नेता शेख हसीना का सैन्य विमान उनके देश में उथल-पुथल के बीच दिल्ली से लगे गाजियाबाद स्थित हिंडन एयरबेस पर उतरा। वह भारत के रास्ते लंदन जा रही हैं। माना जाता है कि जयशंकर ने प्रधानमंत्री मोदी को पड़ोसी देश में बदलते घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी। हालांकि, बैठक के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पद से इस्तीफा दे दिया है और अब अंतरिम सरकार कार्यभार संभालेगी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की और बांग्लादेश के घटनाक्रम पर चर्चा की। कांग्रेस सूत्रों ने

यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने बांग्लादेश के ताजा घटनाक्रम पर चर्चा की, हालांकि इस बारे में विस्तार से नहीं बताया। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश में कई दिनों से जारी विरोध प्रदर्शन के बाद सोमवार को पद से इस्तीफा दे दिया। बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां ने सोमवार को कहा कि अब अंतरिम सरकार कार्यभार संभालेगी। बांग्लादेश में राजनीतिक तख्तापलट के बीच भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना से गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पर मुलाकात की है। सूत्रों के मुताबिक, डोभाल ने बांग्लादेश के हालातों के बारे में जानकारी ली है। इससे पहले शेख हसीना विशेष विमान से 5.36 बजे गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पहुंची। हसीना अभी हिंडन एयरबेस पर ही रुकी हुई हैं। सूत्र बताते हैं कि वह लंदन रवाना हो सकती हैं। भारत सरकार के सूत्रों ने कहा कि ढाका में तेजी से बदल रहे घटनाक्रम पर नई दिल्ली करीबी नजर रखे हुए है। बांग्लादेश में जारी घटनाक्रम पर भारत की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। ढाका में, बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां ने कहा कि हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है और एक अंतरिम सरकार कार्यभार संभालने जा रही है। सेना प्रमुख ने टेलीविजन पर अपने संबोधन में कहा कि मैं (देश की) सारी जिम्मेदारी ले रहा हूं। कृपया सहयोग करें। सेना प्रमुख ने कहा कि उन्होंने राजनीतिक नेताओं से मुलाकात की और उन्हें बताया कि सेना कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेगी। पिछले दो दिनों में, हसीना सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में 100 से अधिक लोग मारे गए हैं। बांग्लादेश में छात्रों का विरोध प्रदर्शन पिछले महीने विवादास्पद नौकरी आरक्षण योजना के खिलाफ शुरू हुआ था। यह प्रदर्शन बाद में सरकार विरोधी आंदोलन में बदल गया। वर्ष 1971 के मुक्ति संग्राम में भाग लेने वालों के परिवारों के लिए सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान इस विवादास्पद आरक्षण व्यवस्था के तहत किया गया था।

मेरी मां राजनीति में कभी वापस नहीं आएंगी : जॉय

लंदन। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना राजनीति में वापसी नहीं करेंगी। उनके बेटे और पूर्व आधिकारिक सलाहकार साजिब वाजेद जॉय ने सोमवार को यह दावा किया। उन्होंने कहा कि शेख हसीना ने अपने परिवार के आग्रह पर और अपनी सुरक्षा के लिए देश छोड़ा है। 76 वर्षीय हसीना ने अपनी सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के बीच इस्तीफा दे दिया और सुरक्षित स्थान के लिए रवाना हो गईं। एक साक्षात्कार में जॉय ने कहा कि उनकी मां की कोई राजनीतिक वापसी नहीं होगी। हसीना रविवार से ही इस्तीफा देने पर विचार कर रही थीं। वे अपने परिवार के आग्रह के बाद उन्होंने अपनी सुरक्षा के लिए देश छोड़ दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, जॉय ने कहा कि उनकी मां ने 15 साल तक बांग्लादेश पर शासन किया। अब वह बहुत निराश थीं कि उनकी इतनी मेहनत के बाद भी अल्पसंख्यक उनके खिलाफ उठ खड़े हुए। हसीना की निराशा व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने बांग्लादेश को बदल दिया। जब उन्होंने सत्ता संभाली थी, तो इसे एक असफल देश माना जाता था। यह एक गरीब देश था। आज तक इसे एशिया के उभरते देशों में से एक माना जाता था। ऐसे में वह बहुत निराश हैं।

भारत में बढ़ी घुसपैठ की आशंका, बीएसएफ अलर्ट

किशनगंज। भारत के पड़ोसी राष्ट्र बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर लगातार चल रहे आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया है। आंदोलन के उग्र होने के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देना पड़ा और देश अब सेना के हवाले हो गया है। बांग्लादेश के बिगड़ते हालात को लेकर भारत ने भी अपनी सीमा पर सतर्कता बढ़ा दी है। सीमा पर बीएसएफ की चौकसी बढ़ाए जाने के साथ-सेना सेना की तैनाती की संख्या भी बढ़ाई गई है। गृह मंत्रालय से निगरानी बढ़ाने के आदेश के बाद सीमा पर बीएसएफ अलर्ट है। बीएसएफ के अधिकारी सीमा पर पहुंचकर बैठक कर रहे हैं। आवश्यकता अनुसार निगरानी चाक-चौबंद किया जा रहा है। बांग्लादेश में हिंसक रूप ले चुके आंदोलन के कारण बांग्लादेश के लोगों के भारतीय सीमा में प्रवेश करने की आशंका जताई जा रही है। बांग्लादेश के लोग भारत में किसी भी सूरत में प्रवेश नहीं करें इसको लेकर सीमा पर चौकसी बढ़ाई गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार को भेजा नोटिस, कहा-

77 मुस्लिम जातियों को कैसे दे दिया ओबीसी कोटा

नई दिल्ली। बंगाल में 77 मुस्लिम जातियों को आरक्षण देने के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने आज ममता सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर ये नोटिस दिया है। हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा 77 मुस्लिम जातियों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के रूप में वर्गीकृत करने को रद्द कर दिया था और 2010 के बाद पश्चिम बंगाल में जारी सभी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) प्रमाण पत्र रद्द कर दिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी कर ममता सरकार से जवाब मांगा है कि उसने किस

आधार पर मुस्लिम जातियों को ये कोटा दिया। जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा के साथ सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने विवादित आदेश पर रोक लगाने की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य से हलफनामा दाखिल करने को कहा। कोर्ट ने जवाब मांगते हुए कहा कि सरकार ओबीसी में वर्गीकृत करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया की कोई प्रकृति बताए। सरकार बताए कि कौन सा सर्वेक्षण किया गया। क्या ओबीसी के रूप में नामित 77 समुदायों की सूची में किसी भी समुदाय के संबंध में पिछड़ा वर्ग आयोग के साथ परामर्श की कमी थी।

ग्वालपाड़ा के दुधनै नदी में मिला शव

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के माटिया थाना अंतर्गत बामुनपाड़ा-राभापाड़ा गांव के बीच दुधनै नदी से एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया गया। स्थानीय लोगों ने आज दोपहर करीब 3 बजे दूधनै नदी के किनारे पानी में शव को तैरते हुए देखा था। स्थानीय लोगों द्वारा घटना की सूचना मिलने के बाद माटिया पुलिस मौके पर पहुंची। दंडाधीश के घटनास्थल पर पहुंचने के बाद शव को पानी से निकाला गया। उल्लेखनीय है कि मेघालय से पानी के प्रवाह के कारण दो दिन पहले क्षेत्र में भीषण बाढ़ आ गई थी। ऐसे में स्थानीय लोगों को संदेह है कि शव बाढ़ के पानी में बहकर आया होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अनुच्छेद 370 को निरस्त करना देश के इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण था : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज (5 अगस्त) को पांच वर्ष पूर्व 2019 में जम्मू-कश्मीर से जुड़े संविधान के अनुच्छेद 370 और 35(ए) को हटाए जाने को याद करते हुए कहा कि यह देश के इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण था। यह जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में प्रगति और समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत थी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर जम्मू-कश्मीर के लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी सरकार राज्य की जनता के लिए काम करती रहेगी और आने वाले समय में उनकी आकांक्षाओं को पूरा करेगी। प्रधानमंत्री अनुच्छेद 370 हटाए जाने का अर्थ बताया और कहा कि इससे संविधान बनाने वाले महान पुरुषों और महिलाओं की दृष्टि के अनुरूप अक्षरश: संविधान जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में लागू हुआ। इस अनुच्छेद के निरस्त होने से विकास के लाभ से वंचित महिलाओं, युवाओं, पिछड़े, आदिवासी और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लिए सुरक्षा, सम्मान और अवसर आए। साथ ही, इसने यह सुनिश्चित किया है कि दशकों से जम्मू-कश्मीर में व्याप्त भ्रष्टाचार दूर हो। उल्लेखनीय है कि 2019 में सत्ता में पूर्ण बहुमत के साथ वापसी करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गृह मंत्री अमित शाह ने आज ही के दिन अनुच्छेद 370 हटाए जाने का विधेयक संसद में पेश किया था।

अर्धगलित अवस्था में मिला शव

गोलाघाट (हिंस)। जिला के नुमलीगढ़ में अर्धगलित अवस्था में एक शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। अर्धगलित शव आज नुमलीगढ़ में कलियनी नदी के *सोनिया घाट* पर मिला है। नदी के किनारे शव ढका हुआ अवस्था में मिला। अर्धगलित अवस्था में मिले शव की पहचान नहीं हो पाई है। ज्ञात हो कि मौका-ए-वारदात नुमलीगढ़ ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत बेहद दुर्गम इलाके में स्थित है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

शिवसागर में तमंचा के साथ युवक गिरफ्तार

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर में तमंचा के साथ एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान पंकज दास (32) के रूप में हुई है। पंकज को जयसागर पुलिस ने शिवसागर के जीजीएस चौराहे से गिरफ्तार किया है। जयसागर पुलिस ने सोमवार को बताया है कि पुलिस की एक टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात अभियान चलाते हुए पंकज दास नामक युवक को तमंचा के साथ गिरफ्तार किया है। युवक के पास से चीन का बना तमंचा सहित तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

भगवान महाकाल की नगरी में 1500 लोगों ने एक साथ 10 मिनट तक डमरू बजाकर बनाया विश्व रिकॉर्ड

उज्जैन/भोपाल (हि.स.)। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर की नगरी में आज सावन के तीसरे सोमवार को बाबा महाकाल की सवारी निकलने से पहले विश्व रिकॉर्ड बनाया गया। यहां महाकाल लोक के पास शक्ति पथ पर 1500 लोगों ने एक साथ 10 मिनट तक डमरू बजाया। इसके साथ ही उज्जैन का नाम सबसे अधिक लोगों के डमरू बजाने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गया। गिनीज बुक से आए ऋषिनाथ ने इसका सर्टिफिकेट सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक सतीश मालवीय और संतों को सौंपा। उज्जैन में सावन के तीसरे सोमवार के अवसर पर महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए सुबह से भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। तड़के भस्म आरती में महाकाल का विशेष शृंगार हुआ। भस्म आरती के लिए रविवार-सोमवार की मध्यरात्रि 2.30 बजे महाकालेश्वर मंदिर के पट खोले गए। भस्म आरती के दौरान भांग, चंदन, सूखे मेवों और आभूषणों से बाबा महाकाल का राजा स्वरूप दिव्य शृंगार किया गया। भस्म आरती के 15 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। मंदिर में बाबा के दर्शन का सिलसिला रात 10.30 बजे तक चलेगा। वहीं, सावन मास के प्रत्येक सोमवार को शाम चार बजे भगवान महाकाल की सवारी निकाली जाती है। इसमें भगवान अवंतिकानाथ नगर का भ्रमण कर अपनी प्रजा का हाल जानते हैं। आज महाकालेश्वर मंदिर से अवंतिकानाथ चांदी की पालकी में चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में सवार होकर निकलेंगे। साथ ही दो अन्य स्वरूपों में भी भक्तों को दर्शन देंगे। महाकाल का एक स्वरूप मनमहेश के रूप में हाथी पर सवार होगा, वहीं गरुड़ रथ पर शिव तांडव के रूप में सवार होकर भक्तों को दर्शन देने निकलेंगे। महाकाल मंदिर से शाम चार बजे सवारी शुरू होकर मोक्षदायिनी शिप्रा के तट पर पहुंचेगी। महाकाल मंदिर प्रशासक मृणाल मीणा ने बताया कि आज एक साथ 1500 डमरू बजाने का विश्व रिकॉर्ड बना है। सवारी शुरू होने से पहले श्री महाकाल महालोक के सामने शक्ति पथ पर वादक भस्म आरती की धुन पर 10 मिनट की प्रस्तुति दी।

অসম লোকসেৱা আয়োগ

ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION

Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No. 132PSC/CON/Exam-34/2023-2024

NOTIFICATION

The Assam Public Service Commission hereby declares today, the 5th August, 2024, the results of the Screening Test (OMR based) for recruitment to the posts of Junior Scientific Officer for Mobile Forensic Laboratories under the Directorate of Forensic Science, Assam (Advt. No. 26/2023 dated 05/09/2023) conducted by the Commission on 29/06/2024 & 30/06/2024. Candidates bearing the following Roll Numbers will have to appear in the Interview to be conducted by the Commission. The dates of Interview will be notified shortly.

Roll Number of candidates to be appeared in the Interview are stated below (horizontally):

(i) Biology Division:

18007	18022	18080	18092	18138
18169	18195	18204	18310	18314
18515	18518	18608	18661	18727

(ii) Chemistry Division:

19036	19052	19058	19142	19157
19270	19295	19341	19376	19393

(iii) Physics Division:

17008	17044	17075	17099	17147	17174

NB : Results may be accessed through the APSC's website www.apsc.nic.in

Principal Controller of Examinations,
Assam Public Service Commission,
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/3648/24/6-Aug-24

पृष्ठ एक का शेष

ढाका में इंदिरा गांधी ...

के रूप में भी जाना जाता है। यह संग्रहालय हसीना के पिता शेख मुजीबुर रहमान को समर्पित है, जिनकी 1975 में राष्ट्रपति रहने के दौरान हत्या कर दी गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उसी क्षेत्र में स्थित इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र को भी भीड़ ने क्षतिग्रस्त कर दिया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से इस्तीफा देकर बांग्लादेश छोड़ना पड़ा है। सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां ने घोषणा की कि अंतरिम सरकार बनाई जा रही है और उन्होंने प्रदर्शनकारियों से हिंसा बंद करने का आग्रह किया। इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र का मार्च 2010 में औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया था। यह सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सांस्कृतिक संगोष्ठियों, कार्यशालाओं का आयोजन करने तथा योग, हिंदी भाषा, भारतीय शास्त्रीय संगीत और कथक तथा मणिपुरी जैसे भारतीय नृत्यों के लिए भारतीय गुरुओं, पेशेवरों और प्रशिक्षकों को नियुक्त कर भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देता है। इसमें बांग्लादेश के उच्च श्रेणी के पेशेवर भी शामिल हैं, जिन्होंने भारतीय गुरुओं या भारतीय विश्वविद्यालयों से प्रशिक्षण प्राप्त किया है। यह भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद का सांस्कृतिक केंद्र है। इस केंद्र में भारतीय कला, संस्कृति, राजनीति, अर्थशास्त्र और कथा साहित्य के क्षेत्रों में 21,000 से अधिक पुस्तकों वाला एक पुस्तकालय है।

बांग्लादेश में अंतरिम...

सुलझाने के लिए अब राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन से बात करेंगे। उन्होंने विरोध के नाम पर सभी से हिंसा को रोकने का आह्वान किया और वादा किया कि नई सरकार भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के दौरान हुई सभी मौतों के लिए न्याय सुनिश्चित करेगी। इस बीच ढाका विश्वविद्यालय के कानून विभाग के प्रोफेसर आसिफ नजरूल ने बयान जारी कर छात्रों से विरोध प्रदर्शन बंद करने का अनुरोध किया है। आंदोलनकारी राजधानी के धानमंडी स्थित गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमाल के आवास पर हमला कर रहे हैं। दोपहर करीब 3:30 बजे हजारों प्रदर्शनकारी गेट तोड़कर गृहमंत्री के घर में घुस गए। घर से धुआं निकलता भी दिख रहा है। अंदर तोड़फोड़ की गई है।

बांग्लादेश : विदेश मंत्री ...

एस जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। संसद भवन के कक्ष में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बांग्लादेश में हुए हालात की जानकारी दी है। पूरे घटनाक्रम को लेकर चर्चा की खबर है। भारत का स्टैंड पूरे मुद्दे पर क्या होगा। भारत रणनीतिक, राजनयिक और सैन्य तौर पर कैसे आगे बढ़ेगा। इस बात को लेकर चर्चा की जाएगी। बताया जा रहा है कि अप्रोपिएशन बिल लोकसभा में पारित हुआ। उसके बाद पीएम मोदी संसद भवन के कमरे में गए। उनके पीछे पीछे विदेश मंत्री एस जयशंकर भी पहुंचे। जिसके बाद कयास लगाया जा रहा है कि बांग्लादेश में जो हालात है। शेख हसीना का इस्तीफा हो गया। सेना द्वारा अंतरिम सरकार बनाई जाएगी।

भारत के कुछ इलाकों ...

हैं। उन्होंने आगे जोर दिया कि यह सुनिश्चित करना हमारे हित में है कि हमारे पड़ोसी देशों में शांति और स्थिरता बनी रहे। उन्होंने कहा, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमारे वार्ताकार बांग्लादेश में संबंधित लोगों से बातचीत करेंगे और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारे व्यापक हितों की रक्षा की जाए और हम रचनात्मक रूप से यह सुनिश्चित करेंगे कि बांग्लादेश में शांति और स्थिरता बनी रहे। भारत बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के साथ अच्छे संबंध पर श्रृंगला ने कहा कि उनकी सरकार के तहत बहुत अधिक विकास और सकारात्मक विकास संभव हुआ है, उन्होंने कहा कि लोगों के बीच मजबूत संबंध हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी समाज में हमारे बहुआयामी संबंध हैं। और, हम अपने और बांग्लादेश के व्यापक हितों को आगे बढ़ाने के लिए किसी भी राजनीतिक या अन्य संगठन से संपर्क करेंगे। श्रृंगला ने कहा कि भारत ने बांग्लादेश की सहायता की है और बांग्लादेश ने भारत की सहायता की है। वहीं इस सवाल पर कि क्या शेख हसीना को भारत में शरण दी जाएगी या वह किसी अन्य देश में जाएंगी। इस पर श्रृंगला ने कहा कि भारत ने अपने पड़ोस में रहने वालों को कभी भी सुरक्षित पनाह या शरण देने से इनकार नहीं किया है। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह कहना मुश्किल है। मेरा मतलब है, यह ध्यान में रखते हुए कि शेख हसीना 1975 से लेकर 1979 तक यहीं रहीं, जब वे अपने पिता मुजीबुर शेख मुजीबुर रहमान की हत्या के बाद अपने देश वापस चली गईं। इसलिए भारत ने कभी भी हमारे पड़ोस में रहने वालों को सुरक्षित पनाह या शरण देने से इनकार नहीं किया।

बांग्लादेश में बगावत ...

नेटवर्क बंद कर दिया गया है और पूरे देश में कर्फ्यू लागू है। बांग्लादेश में ये सारा बवाल आरक्षण को लेकर शुरू हुआ। प्रदर्शनकारी सरकारी नौकरियों में आरक्षण के मुद्दे पर सरकार से इस्तीफे की मांग कर रहे थे। रविवार को स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन के बैनर तले असहयोग कार्यक्रम में प्रदर्शनकारी भाग लेने पहुंचे। अवामी लीग, छात्र लीग और जुबो लीग के कार्यकर्ताओं ने उनका विरोध किया और दोनों पक्षों के बीच झड़प हुई। *प्रोथोम अलो* अखबार के मुताबिक हंगामे के देख रविवार शाम से देश में कर्फ्यू लगा दिया गया। इंटरनेट और मोबाइल सेवा भी बंद कर दी गई है।

कोलकाता में बांग्लादेश ...

इसका असर देखने को मिला। मार्क्विस स्ट्रीट पर रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। उनका कहना है कि सरकार के अत्याचार और जुल्म से कई छात्रों की मौत हो गई। आंदोलन के दबाव में आकर शेख हसीना को भागना पड़ा।

भारत-बांग्लादेश के ...

बांग्लादेश की राजनीतिक स्थिति के कारण वहां के कई परिवार अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं और भारत आना चाहते हैं, लेकिन वर्तमान स्थिति में यह संभव नहीं है। सीमा पर से भारत आने के लिए तैयार तीन सौ से अधिक मालवाहक ट्रक फंसे हुए हैं। लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एलपीएआई) ने पेट्रापोल सीमा को बंद कर दिया है, जिससे व्यापारिक और यात्री परिवहन दोनों बंद हो गए हैं। सोमवार को एयर इंडिया और इंडिगो सहित भारत की सभी विमान सेवाओं ने बांग्लादेश के लिए अपनी सेवाएं बंद कर दी हैं। शाहजालाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बंद होने के कारण हवाई सेवा जारी रखना संभव नहीं है।

डोभाल ने की हसीना ...

देखते हुए भारतीय वायुसेना ने हर पूर्वी सेक्टर में अपने जवानों को अलर्ट पर रखा है। बांग्लादेश के घटनाक्रम पर सोमवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की मुलाकात हुई। कल विदेश मंत्री जयशंकर बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति पर संसद में बयान दे सकते हैं। इस बीच नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा में विदेश मंत्री से मुलाकात की और बांग्लादेश में हाल के घटनाक्रम पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने सरकारी कर्मचारियों को कर्मश्री और लोक सेवा पुरस्कार प्रदान किए

गुवाहाटी (हिंस)। भारत रत्न लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै की 74वीं पुण्यतिथि के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज यहां श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित एक समारोह में 47 सरकारी कर्मचारियों को लोक सेवा पुरस्कार, 2024 और नौकरशाहों की छह टीमों को लोक प्रशासन में उनकी उत्कृष्टता के लिए कर्मश्री पुरस्कार प्रदान किए। आज के दिन को लोक कल्याण दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने गोपीनाथ बरदलै को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि हमारे लोक सेवक लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै के दर्शन और आदर्शों से प्रेरित होकर सरकार की सुशासन पहल को आगे बढ़ा रहे हैं। आज हमने असम के लोगों के लिए उनकी सेवाओं के सम्मान में राज्य से लेकर जिले तक सभी स्तरों पर ऐसे लोक सेवकों को कर्मश्री और लोक सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया। डॉ. शर्मा ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के साथ-साथ गोपीनाथ बरदलै ने असम को पाकिस्तान में जाने से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने

कहा कि गोपीनाथ बरदलै ने स्वदेशी लोगों के भूमि के अधिकारों की रक्षा करने और आदिवासी बेल्ट और ब्लॉक बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। डॉ. शर्मा ने कहा कि यह आधुनिक असम के निर्माण का रोडमैप था। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आधुनिक असम के निर्माता, स्वतंत्रता सेनानी, विवेकशील राजनीतिज्ञ गोपीनाथ बरदलै को श्रद्धांजलि देने के लिए राज्य सरकार ने 5 अगस्त को उनकी पुण्यतिथि को लोक कल्याण दिवस के रूप में मनाने और सरकारी सेवकों को उनकी समर्पित सेवाओं के लिए कर्मश्री और लोक सेवा पुरस्कार से सम्मानित करने का निर्णय लिया है। डॉ. शर्मा ने कहा कि सरकारी सेवा प्राप्त करने वाले लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्दे के पीछे से सरकारी सेवकों द्वारा निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देने के लिए इन पुरस्कारों की शुरुआत की गई थी। मिशन बसुंधरा पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व क्षेत्र में कई मुद्दों को देखते हुए आजादी के बाद से भूमि सुधार लाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। गैर-कैडस्ट्रल गांवों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। भूमि पट्टे आवंटित करने के लिए कोई ठोस कार्रवाई शुरू नहीं की गई। मिशन बसुंधरा 1.0 और 2.0 की मदद से राज्य में 30 फीसदी भूमि संबंधी समस्याओं का समाधान किया गया। डॉ. शर्मा ने कहा कि मिशन बसुंधरा 1.0 और 2.0 के सफल क्रियान्वयन के मद्देनजर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के प्रधान सचिव और भूमि अभिलेख के निदेशक और अतिरिक्त निदेशक को कर्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि चराईदेव मैदाम को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल करने के संबंध में उनके प्रयासों को मान्यता देने के लिए, स्वदेशी जनजाति आस्था और संस्कृति विभाग के आयुक्त और सचिव और पुरातत्व निदेशक और उप निदेशकों को भी कर्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। समर्थ एडमिशन पोर्टल के माध्यम से कॉलेजों में प्रवेश की सफलता और प्रवेश के लिए सुनिश्चित की गई सहज प्रक्रिया को देखते हुए, सचिव उच्च शिक्षा, निदेशक उच्च शिक्षा और ओएसडी उच्च शिक्षा निदेशालय को कर्मश्री से सम्मानित किया गया। डॉ. शर्मा ने जलजीवन के तहत जलदूत कार्यक्रम को सफल बनाने में उनके असाधारण प्रयासों के लिए मिशन निदेशक जल जीवन मिशन और इसके सहायक मिशन निदेशक को भी धन्यवाद दिया। इसके अलावा, डीसी तिनसुकिया, प्रभागीय वन अधिकारी, डिगबोई और एसपी तिनसुकिया को भी डिब्रू-सैखोवा राष्ट्रीय उद्यान से नम्फाई रिजर्व वन के अंतर्गत घनघोर जंगलों में लाइका वन गांव के पुनर्वास में असाधारण समर्पण दिखाने के लिए कर्मश्री से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण के दौरान यह भी कहा कि उनकी सरकार सरकारी कर्मचारियों के सामने आने वाली सभी समस्याओं को दूर करने के लिए बहुत समर्पित रूप से काम कर रही है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि अपोन घर योजना, प्रधान मंत्री सूर्य घर, चिकित्सा बिलों की प्रतिपूर्ति आदि सरकारी कर्मचारियों को फिर से आविष्कृत कार्य संस्कृति और प्रतिबद्धता के साथ काम करने के लिए प्रेरित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गृह, वित्त और सीएमओ को छोड़कर, असम सचिवालय में उप सचिव के पद तक कोई एसीएस अधिकारी तैनात नहीं होगा, सचिवालय सेवाओं में ग्रेड थ्री कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए नए अवसर प्रदान किया जाएगा।

विस चुनाव तक असम में संयुक्त रहेगा विपक्षी गठबंधन

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस नेतृत्व वाले संयुक्त विपक्षी मंच असम (यूओएफए) ने आगामी विधानसभा चुनाव तक विपक्षा के गठबंधन को बरकरार रखने का निर्णय लिया है। रविवार को आयोजित एक बैठक में यूओएफए ने अगले दो वर्षों तक हर चुनाव एकसाथ लड़ने का संकल्प लिया। सोमवार को असम प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता बेदव्रत बोरा ने मीडिया को बताया कि बैठक में गठबंधन के विभिन्न आंतरिक मुद्दों पर चर्चा हुई। सभी दल भाजपा के विरुद्ध एकजुट रहने पर सहमत हुए। उन्होंने कहा कि असम सरकार बाढ़ और तट कटाव की समस्या का समाधान करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि सभी दलों ने मिलकर काम करने और भाजपा को हराने को प्राथमिकता देने पर सहमति जताई है।

विश्वनाथ : कृषि मशिनरी प्रशिक्षण लेने के लिए किसानों से आग्रह

विश्वनाथ (विभास)। अधिकारियों ने किसानों और कृषि मशीनरी के उपयोगकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से बिश्वनाथ चराली में स्थित भारत सरकार अधिनस्थ कृषि प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान में विभिन्न आधुनिक मशीनरी उपलब्ध कराई हैं। विभागीय सूत्रों द्वारा आज जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में यह कहा गया है कि धान की खेती के लिए भारत में पिछले पांच दशकों में मशीनरी ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। प्रति व्यक्ति भूमि उपलब्धता, जलवायु परिवर्तन, भूमि क्षय जैसी और बाढ़ या अन्य गंभीर चुनौतियां उत्पन्न हुई कारणों से पांच छह वर्षों तक रुकावट आया था। वर्तमान परिस्थितियों में तीव्र जनसंख्या वृद्धि ने भारतीय कृषि और खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए आवश्यक भोजन का उत्पादन करने का अत्यधिक दबाव डाला है। इसलिए, कृषि क्षेत्र में मशीनीकरण किसानों के लिए भी इन चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और किसानों को अधिक लाभ होगा। विश्वनाथ चाराली में स्थित भारत सरकार अधिनस्थ उत्तर -पूर्वी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान ने किसानों को कृषि मशीनरी की प्रचलन, मरम्मत, भूमि की जुताई के लिए विभिन्न प्रकार के हल, डिस्क हैरो, ब्लेड हैरो आदि विभिन्न यंत्रों के अनुप्रयोग में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान करता है।

जल जमाव की वजह से यातायात प्रभावित

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी के जोराबाट तीनाली और इसके आसपास के इलाकों में सोमवार की दोपहर के समय हुई मूसलाधार बरसात की वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग-27 और राष्ट्रीय राजमार्ग-6 से गुजरने वाले वाहन चालकों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ा। हल्की-सी बरसात के बाद जोराबाट तीनाली और इसके आसपास के इलाकों में जल जमाव की समस्या उत्पन्न हो गई। जिसकी वजह से इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सोमवार की दोपहर को हुई मूसलाधार बरसात के बाद जोराबाट तीनाली, ग्यारह माइल, दस माइल, नौ माइल, आठ माइल आदि इलाकों में राष्ट्रीय राजमार्ग पर जल जमाव की समस्या उत्पन्न हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के समय सड़क के दोनों छोरों पर नालों का सही तरीके से निर्माण नहीं किया गया जिसकी वजह से आए दिन हल्की-सी बरसात के बाद जल भराव की समस्या इलाके में उत्पन्न हो जाती है। वहीं स्थानीय लोगों ने कहा कि अवैध तरीके से राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास में पहाड़ों की कटाई की वजह से पहाड़ की लाल मिट्टी बरसात में बहकर सड़क पर आ जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या 2006 से तब उत्पन्न हुई जब फोरलेन का काम शुरू हुआ। बरसात की वजह से दुकानों में पानी घुस जाता है। जिसकी वजह से सबसे ज्यादा नुकसान जोराबाट तीनाली इलाके में स्थित दुकानदारों को भुगतना पड़ता है। जोराबाट तीनाली में तीन से चार फीट तक जल जमाव की समस्या होने की वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग-27 के अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग-6 पर यातायात पूरी तरह अवरूद्ध हो गया है। शिलांग से गुवाहाटी आने व जाने वाले लोगों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ा है। जल भराव की वजह से कई यात्रियों की ट्रेन और फ्लाइट छूट गई। 2006 से अब तक सबसे बड़ा जल जमाव की समस्या सोमवार को उत्पन्न हुई है। देर शाम तक हजारों वाहन जाम में फंसे हुए हैं।

कल्याणकारी योजनाओं की असम के तेज विकास में अहम भूमिका : राज्यपाल

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय सेवाओं में प्रतिनियुक्ति असम-मेघालय कैडर के आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान वरिष्ठ नौकरशाहों ने राज्यपाल आचार्य को असम का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर बधाई दी। राज्यपाल आचार्य ने अधिकारियों का आभार व्यक्त किया और प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन और टाइगर रिजर्व आदि कई सरकारी योजनाओं पर चर्चा की और कहा कि यदि योजनाओं को विवेकपूर्ण तरीके से क्रियान्वित किया जाए तो विकास को और अधिक ऊंचाई पर ले जाया जा सकता है। आचार्य ने कहा कि गरीब और जरूरतमंद लाभार्थियों को आश्रय प्रदान करने के लिए केंद्रीय सहायता से प्रधानमंत्री आवास योजना शुरू की गई है। इसलिए इस योजना को पूरी तरह सफल बनाने के लिए नौकरशाहों की भूमिका महत्वपूर्ण है। जल जीवन मिशन पर बात करते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य सभी ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना और उसका उपयोग करना है। चूंकि 2030 तक का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, इसलिए संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य के साथ तालमेल बिठाते हुए राज्यपाल ने अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे असम को निर्धारित समय सीमा के भीतर लक्ष्य प्राप्त करने और अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण बनने के लिए अपनी विशेषज्ञता प्रदान करें। राज्यपाल ने असम में टाइगर रिजर्व और राज्य की पारिस्थितिकी को मजबूत करने में उनकी भूमिका पर भी ध्यान दिया। बैठक के दौरान राज्यपाल ने भारत और असम के विकास एजेंडे और राज्य के विकास को प्राप्त करने के लिए निर्धारित रोडमैप के बारे में भी चर्चा की। इको-टूरिज्म में असम की क्षमता को ध्यान में रखते हुए राज्यपाल ने विभिन्न पर्यटन संभावनाओं पर बात की और बताया कि कैसे राज्य देश के पर्यटन स्थलों में से एक बनने के लिए अपना अनूठा रास्ता बना सकता है। उन्होंने इस अवसर पर राष्ट्रीय उद्यानों, वन्य जीव अभयारण्यों, चाय पर्यटन, विरासत पर्यटन आदि का उल्लेख किया और बताया कि कैसे असम इन पर्यटन सर्किटों पर अपनी जगह बना सकता है। राज्यपाल ने जनसांख्यिकी विकास पर भी बात की, जिसमें अनुसूचित जनजातियों और अनुसूचित जातियों के लोगों के कल्याण पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि चूंकि आदिवासी लोगों के लिए कई योजनाएं हैं, इसलिए उनका परिश्रमी कार्यान्वयन आरक्षित वर्ग से संबंधित मानव संसाधनों के विकास की कुंजी है। बैठक के एक भाग के रूप में, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के अतिरिक्त सचिव अविनाश पुरुषोत्तम दास जोशी ने ब्रह्मपुत्र नद में सर्किट पर्यटन और जल क्रीड़ा के विकास पर बात की। इसके अलावा, भारतीय वन सेवा के अधिकारी सुभाशीष दास ने अगर व्यवसाय को असम सरकार के दायरे में लाने और पूरे राज्य में एक मानक अभ्यास विकसित करने की आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया। राज्यपाल ने अधिकारियों की भूमिका की सराहना की, जो राज्य में सामाजिक-आर्थिक और शैक्षणिक सशक्तिकरण कथा का निर्माण और विकास करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। संवाद कार्यक्रम में असम के राज्यपाल के आयुक्त और सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम ने भाग लिया।

बुटीक्स ऑफ इंडिया की *फैशन एंड लाइफस्टाइल* एग्जिबिशन शुरू

गुवाहाटी। देश की अग्रणी प्रीमियम एग्जिबिशन आयोजको में से एक बुटीक्स ऑफ इंडिया (बीओआई) के तत्वावधान में सोमवार से 38वां *राखी एडिट* नामक फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जिबिशन का शुभारंभ हुआ। महानगर के खानापाड़ा स्थित होटल विवांता में आज इस प्रदर्शनी सह बिक्री का उद्घाटन बीएनआई के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक सिद्धार्थ गाड़ोदिया, आरजे मैंडी (रेडियो गुप्शप 94.3 एफएम पर क्लस्टर प्रोग्रामिंग हेड), वुमानियाज की संस्थापक दिव्या सिवोटीया, बॉस नेटवर्क की सीईओ पायल अग्रवाल जैन सहित बीओआई के संस्थापक श्रीमती मीरा देवी अग्रवाल तथा सीईओ संजय अग्रवाल ने अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में सामूहिक रूप से किया। एग्जीबिशन

के पहले दिन खरीदारी के लिए महिलाओं एवं युवतियों की भारी भीड़ देखी गई, जो इस प्रदर्शनी की सफलता को बयां करती है। इस मौके पर श्री अग्रवाल ने कहा कि आगामी राखी, सावन का सिंजारा आदि बड़े उत्सवों के मद्देनजर बहन बेटियों सहित महिलाओं के लिए एक्सक्लूसिव कलेक्शन उपलब्ध हैं। युवती एवं महिलाओं के लिए इन त्योहारों को ध्यान में रखते हुए इस फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जिबिशंस में को लेटेस्ट ट्रेंड के फैशनेबल कपड़ों से लेकर आभूषण व एसोसरिज एक छत तले उपलब्ध हैं। बुटीक्स ऑफ इंडिया के इस फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जिबिशन में देश के विभिन्न हिस्सों से 55 से अधिक प्रीमियम स्टाल लगाए गए हैं। देश की कई नामी गिरामी डिजाइनरों द्वारा तैयार किए गए परिधान, आभूषण सहित घरेलू साज-सज्जा की वस्तुएं उपलब्ध हैं। देश भर के प्रीमियम ब्रांडों के साथ फैशन में स्थानीय स्वाद को ध्यान में रखते हुए इस बार एग्जिबिशंस में फेस्टिव कलेक्शन के साथ पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि बीओआई की इस दो दिवसीय प्रदर्शनी सह बिक्री में युवतियों एवं महिलाओं के लिए लेटेस्ट ट्रेंड के कलेक्शन की भरमार हैं। उनका मानना है कि बीओआई न केवल खरीदारी करने की जगह है, बल्कि कई छोटे नवोदित उद्यमियों के लिए एक व्यापार मंच भी है, जो जीवन में कुछ बड़ा करने का सपना देखते हैं। उल्लेखनीय है की लेडीज सर्कल इंडिया 158 गुवाहाटी के सहयोग से बीओआई समय-समय पर विभिन्न सामाजिक कार्यों में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते आ रहा है। दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रवेश पूरी तरह से नि:शुल्क है तथा इसका समापन मंगलवार को होगा होटल विवांता में होगा।

होजाई जिला प्रशासन ने मनाई लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै की पुण्यतिथि

होजाई (निसं)। होजाई जिला प्रशासन द्वारा भारत रत्न लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई की 74वीं पुण्यतिथि पर लोक कल्याण दिवस का आयोजन आज जिला मुख्यालय शंकरदेवनगर स्थित सामुदायिक भवन में मनाया गया। इस दौरान जिला आयुक्त लचित कुमार दास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम कार्यक्रम का शुभारंभ में जिला आयुक्त लचित कुमार दास ने लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई के प्रतिछवि के समक्ष दीप प्रज्वलित किया, जिसके बाद एसपी सौरभ गुप्ता, एडीसी जयशंकर शर्मा, सोनाश्री ब्रम्हा, सप्तति एंडो और सभी अतिथियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक गोगोई ने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में संक्षेप में बताया। जिला आयुक्त लचित कुमार दास ने लोक कल्याण दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई के योगदान पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में कई अन्य अधिकारियों, अतिथियों, स्कूली छात्रों के साथ-साथ अन्य लोग भी मौजूद थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

जैन विद्या परीक्षा का प्रमाण-पत्र वितरित

गुवाहाटी। आचार्य महाश्रमण के सुशिष्य मुनि प्रशांत कुमार एवं मुनि कुमुद कुमार के पावन सान्निध्य एवं श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी, गुवाहाटी के तत्वावधान में रविवार को प्रात: प्रवचन के समय जैन विद्या परीक्षा वर्ष 2023 का प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। जैन विद्या परीक्षा के स्थानीय केंद्र व्यवस्थापक संजय चौरड़िया ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि जैन विश्व भारती के उपक्रम समण संस्कृति संकाय द्वारा संचालित जैन विद्या परीक्षा संपूर्ण भारतवर्ष के साथ ही गुवाहाटी में भी अक्तूबर 2023 में आयोजित हुई थी। समण संस्कृति संकाय के पूर्वोत्तर प्रभारी अशोक मालू ने जानकारी दी कि पिछले साल गुवाहाटी केंद्र के 3 परीक्षार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर स्थान प्राप्त किया। इनमें भाग-4 में कमला देवी संचेती ने तृतीय स्थान तथा भाग-8 में डिंपल कोचर ने द्वितीय स्थान एवं स्वाती सुराणा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही

तेरापंथ युवक परिषद द्वारा आयोजित सम्यक् दर्शन कार्यशाला परीक्षा 2023 के प्रमाण पत्र एवं ज्ञानदीप प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस परीक्षा का उद्देश्य लोगों को जैन धर्म के साथ तेरापंथ धर्मसंघ के प्रति जानकारी का मूल्यांकन करना है। आंचलिक संयोजक अनिल कुमार पटवा ने बताया कि गुवाहाटी के साथ पूर्वांचल के विभिन्न केंद्रों में भी जैन विद्या परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न हुई थी, जिसमें गुवाहाटी से कुल 57 परीक्षार्थियों ने पूरी प्रामाणिकता के साथ परीक्षा दी थी। दूसरी तरफ इस वर्ष की जैन विद्या परीक्षा का आयोजन आगामी 9 एवं 10 नवंबर को आयोजित होगी। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष बाबूलाल सुराणा एवं मंत्री राजकुमार बैद ने सभी परीक्षार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इस आशय की जानकारी जैन विद्या परीक्षा के सह-केंद्र व्यवस्थापक टीकम पटावरी ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी है।

बंगाईगांव केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की द्विवार्षिक सभा आयोजित

बंगाईगांव। बंगाईगांव केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की द्विवार्षिक सभा एवं जागरूकता सभा भार प्राप्त अध्यक्ष श्री अरूप कुमार मल्लिक की अध्यक्षता में आठ अगस्त रविवार को स्थानीय जतिन्द्र भवन में आयोजित हुई। इस सभा में सम्मानित अतिथि के तौर पर अतिरिक्त जिला आयुक्त अपूर्व कुमार नाथ, राज्यिक औषधि नियंत्रक प्रभारी विश्वजीत तालुकदार, पूर्व औषधि नियंत्रक गजेन तालुकदार के अलावा बंगाईगांव तथा बाक्सा जिला के औषधि निरीक्षक क्रमश: श्रीमती लीपीका बोरो एवं डाक्टर इश्वर हजारिका भी उपस्थित थे। इस सभा में केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन, असम के सभापति डॉक्टर नटवरलाल अग्रवाल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। दो सत्रों में आयोजित इस भव्य तथा गरिमामय सभा का मंच संचालन करते हुए कोषाध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल ने सभी अतिथियों को मंचासीन कराते हुए सभी का फुलोम गमछा एवं उपहार भेंट दे कर सम्मानित किया गया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं असम के जातिय गीत के द्वारा सभा की शुरुआत की गई एवं उपस्थित सभी सदस्यों ने अपना अपना परिचय सभा में रखा। दिवंगत हुए सदस्यों के सम्मान में एक मिनट का शौक रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। संस्था के भार

प्राप्त अध्यक्ष अरूप कुमार मल्लिक ने स्वागत भाषण देते हुए सभी को एकजुट होकर काम करने का आवाहन किया। अतिरिक्त जिला आयुक्त अपूर्व कुमार नाथ ने अपने संबोधन में संगठन की एकता पर बल दिया तथा कहा की कि यदि दवा व्रिक्रेता संस्था जिले के विकास के लिए कोई स्थायी प्रकल्प लाती है तो जिला प्रशासन जमीन उपलब्ध कराने में सहयोग करेगी। राज्यीक औषधि नियंत्रक प्रभारी विश्वजीत तालुकदार ने सभा को संबोधित करते हुए दवा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए सभी को नियमानुसार अपना कार्य करने की अपील की। सभा को संबोधित करते हुए गजेन तालुकदार, श्रीमती लीपीका बोरो, डॉक्टर ईश्वर हजारिका ने दवा क्षेत्र से जुड़े सरकारी नियमों के बारे में चर्चा की तथा किस तरह नियमों को मानते हुए हम कुशलता के साथ अपने व्यवसाय को और अधिक शक्तिशाली कर सकते हैं। उसके बाद खुले सत्र नामक द्वितीय सत्र की शुरुआत हुई जिसमें संस्था के सचिव श्री अशोक चौधरी ने अपनी सचिवीय रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा गत दो वर्षों का लेखा जोखा सभी के सामने रखा। इसके बाद सर्वसम्मति से अरूप कुमार मल्लिक को पूर्णकालीन अध्यक्ष बनाया गया तथा परमानन्द पाटगिरि को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके बाद इस सत्र का आमार कोथा नामक मुख्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें उपस्थित सदस्यों ने अपने अपने विचार सभी के सामने रखें। राज्यिक सभापति डॉक्टर नटवरलाल अग्रवाल ने सभा को संबोधित करते हुए तथा सदस्यों के द्वारा उठाए गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए एवं दवा व्यवसाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की तथा ऑनलाइन कंपनियों द्वारा जारी अनियमिताएं से सजग रहने का आह्वान किया। सभा के दौरान एक निशुल्क लकी ड्रा का आयोजन किया गया जो की सभी सदस्यों के बीच विशेष आकर्षणीय रहा। कोषाध्यक्ष श्री महेश कुमार अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया तथा राष्ट्रीय गान के साथ सभा का समापन हुआ। सभा को सफल करने में संस्था के सभी सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा।

संपादकीय

कहर की बरसात

सिसकियां पिछले साल की लौट आईं, बेरहम बरसात ने दरवाजे पे पुनः दस्तक दी। खत पुराने भी यही खबर देते रहे, लेकिन दिल्ली ने हमारी एक न सुनी। विध्वंस की परिक्रमा में पूरा हिमाचल, लेकिन शिमला, कुल्लू और मंडी में कहर की बरसात ने मौत का समुद्र बना दिया। आधा दर्जन बादलों का शृंखलाबद्ध होकर फटना, जिन घाटियों, नदी-नालों, घरों, सडक़ों, योजनाओं-परियोजनाओं और होटलों से होकर गुजरा है, वहां मौत और विनाश का मंजर देखा नहीं जाता। यहां समेज के अस्तित्व को मिटाने वाली बारिश, बागीपुल पर भारी पडऩे वाला पानी और मंडी के जलबहाव में घर-परिवार को मिटाती बाढ़ का रौद्र रूप बता रहा है कि फिलवक्त सारा हिमाचल चीख रहा है। बुधवार की रात से निकली वीरवार की चीख समेज के पत्थरों से लौट कर कानों में शीशा पिघला रही है। कल तक वहां आशियानें थे, आशाएं और बस्ती में मस्ती थी, लेकिन आज न घर बचे, न घर के लोग और न ही धरती का नामोनिशान रहा। करीब साढ़े तीन दर्जन लोगों को निगल कर बारिश सिर्फ छोड़ गई अफसोस, क्रूर यादें और वीभत्स दृश्य, जहां अब अवशेष रो रहे हैं, 'आखिर कहां गए लोग, क्यों गए लोग।' हादसों का प्रदेश बन गया हिमाचल, यहां बारिश अब मौत की सुपारी लेकर आती है। बागीपुल ने एक दर्जन लाशें देखीं, तो पद्धर के पत्थरों में लापता हो गए नौ से दस लोग। बादल हमारी योजनाओं, नीतियों और खुदगर्जी के भी फटे हैं। बादल हमें घूर रहे हैं, क्योंकि हम उसके आस्तीन के सांप हैं। उसके रास्तों के व्यवधान हैं। हम समे की बस्ती में मौत का सामान हैं। हम तरक्कीपसंद हिमाचली नदी-नालों के आसपास विकास का जो मंजर खोज रहे हैं, उसमें कितनी कीलें और कितने विस्फोटक इरादे छुपे हैं कि आज हमारे अस्तित्व के निशान फनां हो रहे हैं। बरसात अब अस्तित्व से लड़ रही है, विकास से लड़ रही है। पंडोह बांध के गेट खोलते हैं, तो मंडी का पंचवक्त्र मंदिर बताता है कि डूबने को अब ईश्वर को भी कोई सहारा नहीं मिल रहा। पहाड़ पर पिछले साल भी कोहराम मचा था। नुकसान के अनुमान में आर्थिकी निकल गई और प्रदेश का वित्तीय घाटा बढ़ गया, लेकिन केंद्र ने हमारी न फरियाद सुनी और न ही पर्वत को समझने की सुध ली। बादल समुद्र से उठते हैं, तो उनका कद और मद अलग होता है। मैदानों के ऊपर उनकी काया और छाया अलग होती है, लेकिन पहाड़ पर वे अपना ठौर, अपना सफर फूल कर जब वजनी होते हैं, तो बारिश का अंतिम चरित्र भयावह हो जाता है। ये जख्म बताते हैं कि बादलों में शैतान छुपा था, लेकिन खंजर में तेरा नाम खुदा था। ये खंजर केंद्र-राज्य की बीच फासलों का है। पहाड़ को न समझने की चुनौती को सभी नजरअंदाज कर रहे हैं। राज्य विनाश की लहरों को न मापने की गलती कर रहा है, तो केंद्र पहाड़ के आंसू पौंछने की मर्यादा भंग कर रहा है। हद तो यह कि बरसात को हिमाचल के महकमे ही हल्के से ले रहे हैं। नदी-नालों के किनारे बढ़ रहे हादसों के बावजूद निर्माण की कोई आचार संहिता लागू नहीं होती। वर्षों पहले से पहली जुलाई से 31 अगस्त तक स्कूली अवकाश निर्धारित थे, लेकिन शिक्षा विभाग का मुख्यालय अपने मौसम खुद तय करके बच्चों के स्कूल पहली अगस्त को खोल देता है। इसी पहली अगस्त की किस्त में डूबे स्कूल और ढहती इमारतें बता रही हैं कि महकमा कहीं बच्चों की जान से खेल रहा है।

विध्वंस की परिक्रमा में पूरा हिमाचल, लेकिन शिमला, कुल्लू और मंडी में कहर की बरसात ने मौत का समुद्र बना दिया। आधा दर्जन बादलों का शृंखलाबद्ध होकर फटना, जिन घाटियों, नदी-नालों, घरों, सडक़ों, योजनाओं-परियोजनाओं और होटलों से होकर गुजरा है, वहां मौत और विनाश का मंजर देखा नहीं जाता। यहां समेज के अस्तित्व को मिटाने वाली बारिश, बागीपुल पर भारी पडऩे वाला पानी और मंडी के जलबहाव में घर-परिवार को मिटाती बाढ़ का रौद्र रूप बता रहा है कि फिलवक्त सारा हिमाचल चीख रहा है। बुधवार की रात से निकली वीरवार की चीख समेज के पत्थरों से लौट कर कानों में शीशा पिघला रही है। कल तक वहां आशियानें थे, आशाएं और बस्ती में मस्ती थी, लेकिन आज न घर बचे, न घर के लोग और न ही धरती का नामोनिशान रहा। करीब साढ़े तीन दर्जन लोगों को निगल कर बारिश सिर्फ छोड़ गई अफसोस, क्रूर यादें और वीभत्स दृश्य, जहां अब अवशेष रो रहे हैं, 'आखिर कहां गए लोग, क्यों गए लोग।' हादसों का प्रदेश बन गया हिमाचल, यहां बारिश अब मौत की सुपारी लेकर आती है। बागीपुल ने एक दर्जन लाशें देखीं, तो पद्धर के पत्थरों में लापता हो गए नौ से दस लोग। बादल हमारी योजनाओं, नीतियों और खुदगर्जी के भी फटे हैं। बादल हमें घूर रहे हैं, क्योंकि हम उसके आस्तीन के सांप हैं। उसके रास्तों के व्यवधान हैं। हम समे की बस्ती में मौत का सामान हैं।

भारत में आगमन मोटे तौर पर आक्रमणकारियों के माध्यम से हुआ था

राहुल की जनगणना की मांग के परिणाम

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

भारत का शासन स्वयं संभाल लिया तो उसने 1880 में भारत में पहली बार जनगणना शुरू की। उस समय मरदमशुमारी के लिए हिंदू, मुसलमान और ईसाई के नाम से तीन कॉलम होते थे। सिख, बौद्ध, जैन, ईरानी (पारसी को ईरानी कहा जाता था) की गणना भी अलग होती थी। सन् 1900 तक जनगणना इसी हिसाब से चलती रही। इस जनगणना में ब्रिटिश सरकार की यह इच्छा थी कि भारत में विभिन्न मजहबों के लोगों की संख्या कितनी है, यह जान लिया जाए ताकि आगे की रणनीति बनाने में आसानी रहे।

वर्ष 1857 की आजादी की पहली लड़ाई के बाद जब ब्रिटेन ने ईस्ट इंडिया कम्पनी को अपदस्थ कर भारत का शासन स्वयं संभाल लिया तो उसने 1880 में भारत में पहली बार जनगणना शुरू की। उस समय मरदमशुमारी के लिए हिंदू, मुसलमान और ईसाई के नाम से तीन कॉलम होते थे। सिख, बौद्ध, जैन, ईरानी (पारसी को ईरानी कहा जाता था) की गणना भी अलग होती थी। सन् 1900 तक जनगणना इसी हिसाब से चलती रही। इस जनगणना में ब्रिटिश सरकार की यह इच्छा थी कि भारत में विभिन्न मजहबों के लोगों की संख्या कितनी है, यह जान लिया जाए ताकि आगे की रणनीति बनाने में आसानी रहे। अब तक भारत में विदेशी मूल के मजहबों को मानने वालों की संख्या भी अच्छी खासी हो गई थी। विदेशी मूल के तीन मजहब ही भारत में पैर पसार रहे थे। इस्लाम पंथ, एशिया पंथ और मसीही पंथ (क्रिश्चियन)। तीनों का भारत में आगमन मोटे तौर पर आक्रमणकारियों के माध्यम से हुआ था। अरबों, तुर्कों व मुगलों के लंबे शासन काल में इस्लाम पंथ में मतांतरित हो जाने वाले भारतीयों की संख्या भी अब तक काफी हो गई थी। इस्लाम पंथ में मतांतरित भारतीयों के अतिरिक्त एटीएम, यानी विदेशी मूल के मुसलमान भी थे। उस समय ईसाइयों की गिनती तो इस देश में नाममात्र ही थी। केरल में कुछ सीरिआई ईसाई थे जिन्होंने कभी अपने देश में इस्लामी आक्रमणों से भाग कर इस देश में शरण ले रखी थी। इसी प्रकार यूरोपीय जातियों को भी भारत के कुछ हिस्सों पर राज करते हुए लगभग सौ साल हो ही गए थे। इसलिए ईसाई पंथ में मतांतरित भारतीयों की भी कुछ संख्या थी ही। कुछ एंग्लो इंडियन थे। लेकिन इनकी संख्या उस समय निश्चित ही उंगलियों पर गिनी जा सकती थी।

वर्ष 1900 की जनगणना में ईसाई केवल एक प्रतिशत थे और मुसलमान 21 फीसदी थे। मुसलमानों में विदेशी मूल के मुसलमान, देसी मुसलमान और शिया मजहब को मानने वाले भी शामिल थे। इन दोनों के अतिरिक्त शेष भारतीय हिंदू हैं। लेकिन यह भी साफ हो गया था कि ब्रिटिश सरकार ने इस जनगणना में हिंदू शब्द को भौगोलिक न मान कर उसे मजहब का द्योतक शब्द मान लिया था। लेकिन 1885 में कांग्रेस और 1905 में मुस्लिम लीग के गठन से देश में कहीं-कहीं कुछ निकायों में भारतीयों को हिस्सा देने के लिए कानून बनने शुरू हो गए थे। यह चयन मतदान द्वारा होता था। यह ठीक है कि मतदान का अधिकार कुछ गिने-चुने भारतीयों को ही

दिया जाता था, लेकिन एक नई पद्धति की शुरुआत तो थी ही। 1909 के अधिनियम में तो विधानपालिकाओं में भी चुनाव द्वारा कुछ स्थान भारतीयों द्वारा भरे जाने थे। इसलिए 1910 की जनगणना से पहले मुसलमानों का एटीएम (अरब, तुर्क, मुगल) मूल का खेमा सक्रिय हो गया। उनकी चिंता थी कि ब्रिटिश सरकार ने इस्लाम पंथी (जिसमें मुसलमान और शिया पंथी दोनों ही शामिल थे) व मसीही के अतिरिक्त अन्य सभी भारतीयों को हिंदू स्वीकार लिया था। इसका अर्थ परोक्ष रूप से यही था कि हिंदू इस देश की भौगोलिक पहचान को ही इंगित करता है। ब्रिटिश सरकार ने मुसलमान और मसीही समुदाय को तो इस भौगोलिक पहचान से अलग कर ही दिया था। लेकिन यदि हिंदू को भी खंडित किया जा सके तो भारत को मानसिक तौर पर घायल करना आसान हो सकता था। 1910 की गणना से पहले एटीएम और ब्रिटिश सरकार ने इस संबंधी पूरी रणनीति तैयार कर ली थी। उसकी शुरुआत आगा खान के ज्ञापन से होती है जो उसने जनगणना के बारे में सरकार को दिया था। लेकिन हिंदू के भौगोलिक आधार को आगे बांटने की जरूरत ब्रिटिश सरकार को क्यों हुई, इसकी चर्चा भीमराव अंबेडकर ने की है। उनका मानना है कि इस प्रश्न का उत्तर मुसलमानों द्वारा आगा खान के नेतृत्व में 1909 में ब्रिटिश सरकार को दिए गए प्रतिवेदन में से मिलेगा।

यह मैमोरंडम आगा खान ने उस समय के वायसराय लार्ड मिंटो को दिया था। आगा खान ने इस प्रतिवेदन में लिखा था कि 1900 की जनगणना में मुसलमानों की संख्या 62 मिलियन है, जो कि भारत की कुल जनसंख्या का 1/5 प्रतिशत से लेकर 1/4 प्रतिशत के बीच ठहरता है। आगा खान ने आगे कहा कि जनगणना में से असभ्य समुदाय के लोगों, जिन्हें छिटपुट मजहब और एनिमिस्ट के नाते दर्ज कर रखा है, को निकाल दिया जाए। दूसरे, उन लोगों को जिन्हें हिंदू मान लिया गया है, लेकिन वे हिंदू नहीं हैं, भी निकाल दिया जाए तो देश में हिंदुओं की तुलना में मुसलमानों की संख्या का प्रतिशत और भी बढ़ जाएगा। अंबेडकर ने वह पूरा मैमोरंडम अपनी किताब 'अछूत कौन थे' में दिया है। लेकिन इस प्रतिवेदन का अगला भाग चौंकाने वाला है, जिसमें आगा खान कहते हैं कि जब भारतीयों को किसी भी संस्थान में उनकी संख्या के बल पर हिस्सेदारी दी जाए तो मुसलमानों को हिस्सेदारी का आधार उनकी संख्या को न माना जाए, बल्कि यह आधार रखा जाए कि मुसलमानों ने ब्रिटिश साम्राज्य की कितनी सेवा की है। आज भी यह शक जाहिर किया जाता है कि आगा खान ने यह प्रतिवेदन स्वयं दिया था या फिर अंग्रेजों ने उसे ऐसा प्रतिवेदन देने के लिए कहा था। ब्रिटिश सरकार ने शायद तभी से देश को विभाजित करने की योजना बनानी शुरू कर दी थी। अंबेडकर ने प्रश्न को आगे और बढ़ाया है। एक बात तो स्पष्ट है कि आगा खान की पिटीशन से वायसराय इतना तो समझ गए थे कि प्रथमया, हिंदू को उसकी भौगोलिकता से काट कर मजहब से पहले ही जोड़ दिया गया है, अब कृत्रिम रूप से उसकी जनसंख्या कम करने का भी अवसर है।

आगा खान ने यह पिटीशन दी थी या ली गई थी, यह बहस का विषय हो सकता है, लेकिन अंग्रेज सरकार ने उसे सही रूप से पकड़ लिया था। इसका तरीका उन्होंने 1910 की जनगणना में निकाला। उन्होंने हिंदू को आगे हिंदू, जनजाति और अछूत नाम से तीन हिस्सों में बांट दिया। उस समय कांग्रेस ने इसका विरोध किया था। लेकिन ब्रिटिश नीति कामयाब रही और 1947 में देश विभाजित हो गया। अंग्रेजों के चले जाने के बाद कुछ लोगों ने मांग की थी कि जनगणना जाति के आधार पर की जाए, लेकिन पंडित जवाहर लाल नेहरु इसके पीछे छुपी भावना को समझ गए थे, इसलिए उन्होंने इस मांग को ठुकरा दिया था। लेकिन आज नेहरु की हवेली पर जिन लोगों का कब्जा हो गया है, वे इटली के मैकियावली के सिद्धांतों पर चलते हुए किसी भी कीमत पर सत्ता प्राप्त करना चाहते हैं। इसलिए वे आज 2024 में उसी नीति को फिर से जीवित करना चाहते हैं, जो ब्रिटिश सरकार ने शुरू की थी। राहुल गांधी सलाहकारों की दी हुई स्क्रिप्ट पढऩे की बजाय यदि बाबा साहेब अंबेडकर का संविधान सभा के अंतिम सत्र में दिया गया उनका भाषण पढ़ लें तो वे देश की ज्यादा सेवा करेंगे।

दृष्टि कोण

अग्निपथ योजना में सुधार की काफी गुंजाइश

पिछले शुक्रवार द्रास में आयोजित कारगिल विजय दिवस समारोह के अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर अग्निपथ मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा इस योजना का उद्देश्य सेना को युवा बनाए रखना है... एक ऐसी सेना जो युद्ध के लिए निरंतर चुस्त रहे। उन्होंने आगे कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोगों ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े इतने संवेदनशील मुद्दे को राजनीति का विषय बना दिया है। उन्होंने इससे भी कड़े शब्द बरते, लेकिन सवाल है कि यह सब कहने के लिए क्या यह अवसर उचित था? आदर्श रूप में, इस पवित्र दिन को मनाने के लिए मंच पर विपक्ष और प्रधानमंत्री, दोनों को एक साथ होना चाहिए था। परंतु यह अपेक्षा शायद कुछ ज्यादा ही हो गई।

इसमें कोई शक नहीं कि पिछले 10 सालों में सेना के स्वरूप में काफी सुधार किया गया है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की नियुक्ति, सैन्य मामलों के लिए अलग विभाग का गठन, सुधरे रूप में सैन्य खरीद नीति, रक्षा उद्योग को स्वदेशी तकनीक विकसित करने की बाध्यता, रक्षा उद्योग में निजी क्षेत्र की कंपनियों की भागीदारी को अनुमति और इन्हें रक्षा अनुसंधान एवं विकास राशि का 25 फीसदी मुहैया करवाना जैसे अनेक उपाय किए गए हैं। लेकिन सेना को लेकर अग्निपथ योजना अपने आप में सबसे अधिक महत्वाकांक्षी है। इस योजना के तहत एक युवा की सेना में भर्ती 17-21 साल के बीच होनी है, उसका सेवाकाल चार साल का होगा और सेवामुक्ति उपरांत एकमुश्त रकम मिलनी है। चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाले अग्निवीरों में से 25 प्रतिशत को सेना में आगे 15 साल या अधिक कार्यकाल की पेशकश होगी। लेकिन बाकी बचे 75 फीसदी के लिए विभिन्न सरकारी विभागों में नौकरी का विकल्प हो सकता है, जहां भर्ती में उन्हें तरजीह मिलेगी।

इस योजना पर विवाद उस वक्त उठ खड़ा हुआ जब पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवाणे ने विमोचन के लिए लंबित अपनी पुस्तक में कहा कि यह योजना नौसेना और वायुसेना के लिए 'बिन बादलों की बिजली गिरना' बनकर आई और खुद उन्होंने जो प्रारूप सरकार को सौंपा था, वह केवल थल सेना के लिए था और उसमें भी 75 प्रतिशत अग्निवीरों को फौज में आगे बने रहना था, केवल शेष 25 फीसदी को सेवामुक्त करना था। परंतु रक्षा मंत्रालय ने इसको एकदम उलटा कर दिया, यानी 75 प्रतिशत अग्निवीरों को कार्यमुक्ति और 25 फीसदी को सेना में बनाए रखने वाला प्रावधान बना डाला। राजनीति की वजह से, आरंभ से ही अग्निपथ योजना को लेकर विवाद होने लगे थे और दोनों पक्षों ने इस पर खेल किया, मुख्य सवाल जो अक्सर किया जाता है: हम अग्निवीरों के लिए और अधिक क्या कर सकते हैं? फिर हमारे पास उस अन्य प्रश्न का भी ठोस उत्तर नहीं है कि अग्निवीर सेना के लिए क्या और कितने उपयोगी होंगे? इस बाबत मुख्य दलील यह दी जाती है कि अग्निपथ योजना से सेना के जवान की औसत आयु बनिस्बत युवा बनी रहेगी। सरकार की ओर से दिए शपथपत्र में दावा किया गया है कि अफसर पद से नीचे, भारतीय सैनिक की औसत आयु विश्व में सबसे अधिक, 32 साल है, जबकि वैश्विक औसत 26 वर्ष है। लेकिन दशकों से सेना में भर्ती की उम्र सदा 16.5 से 21 वर्ष के बीच रही है। कुल 75 प्रतिशत अग्निवीरों की सेवानिवृत्ति और प्रत्येक भर्ती चक्र में नई उम्र के युवाओं की आमद बनाने से योजनाकारों को उम्मीद है कि इससे फौज की औसत आयु कम हो पाएगी। किंतु जैसा कि पहले कहा, बदले में प्राप्ति क्या होगी?

भारतीय सेना में भर्ती की कुछ हकीकतें हैं। देखा गया है कि जो युवा जल्दी भर्ती होते हैं, अक्सर उनका भार और पौष्टिकता स्तर उनकी पृष्ठभूमि में विविधता के हिसाब से कम होता है। पहले नौ महीने का प्राथमिक प्रशिक्षण चरण हुआ करता था, उसमें शुरुआत नए सिरे से करनी पड़ती थी, जिसमें यह वक्त उसे शारीरिक रूप से तगड़ा करने और अनुशासन में ढालने में निकल जाता था। इसके बाद शुरू होता व्यावसायिक प्रशिक्षण, चाहे उसे अग्रिम दस्ते का फौजी बनाना हो या अधिक तकनीकी हुनरयुक्त जवान, मसलन, टैंक, तोप, वायु रक्षा प्रणाली चलाने वाला। इनमें मामूली योग्यता पाने के लिए भी एक और साल खपता है।

कुछ अलग

जीएसटी मुक्त हो सेहत बीमा प्रीमियम

खरी-खरी कहने के लिये चर्चित केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जीवन और चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर लगाए जा रहे 18 फीसदी जीएसटी को खत्म करने की तार्किक मांग की है। इस प्रासंगिक मुद्दे को उठाकर गडकरी ने करों के मानवीय पक्ष को ही उजागर किया है। निस्संदेह, जीएसटी को कम करना एक मानवीय पहल होगी। वह भी उस देश में जहां 73 फीसदी लोगों के पास चिकित्सा बीमा नहीं है। ऐसे में बीमा प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी लगाना क्या न्यायसंगत होगा? दरअसल, महंगे प्रीमियम व उस पर लगने वाले करों के चलते करीब पच्चीस से तीस फीसदी लोग हर साल अपने चिकित्सा बीमा का नवीनीकरण नहीं कर पाते। निस्संदेह, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने बीमा धारकों की दुखती रग पर हाथ रखा है। यह विडंबना ही है कि भविष्य में जीवन की अनिश्चितताओं से मुक्ति व अपने तथा परिवार की स्वास्थ्य सुरक्षा चाहने वाले व्यक्ति पर करों का अनुचित बोझ डाला जाता है। जाहिर है कि करों का अधिक बोझ बीमा विस्तार से जुड़ी नीतियों को प्रोत्साहित करने की सोच के विरुद्ध है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि कोई व्यक्ति जीवन की तमाम अनिश्चितताओं के चलते अपनी व परिवार की सुरक्षा हेतु चिकित्सा बीमा प्रीमियम का भुगतान करता है। दूसरे शब्दों में कहें तो जीवन व सेहत बीमा के प्रीमियम पर टैक्स लगाना जीवन की अनिश्चितताओं पर टैक्स लगाने जैसा ही है। वैसे भी जीवन के उत्तरार्ध में तमाम चिकित्सा समस्याओं से जूझने वाले बुजुर्गों के लिये यह जीएसटी चुकाना एक अन्याय जैसा ही है क्योंकि इनमें से अधिकांश की यह सेवानिवृत्ति की उम्र होती है। इस उम्र तक आते-आते उसके आय के स्रोत सिकुड़ने लगते हैं। वह अपने बच्चों पर आश्रित होता है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि जीवन के जोखिम के लिये बीमा कराने वाले व्यक्ति के प्रीमियम पर अधिक कर लगाना एक तरह से बेबात का जुर्माना वसूलना जैसा है। खासकर समाज में कमजोर वर्ग के लोगों के लिये तो यह कर बेहद परेशान करने वाला ही है, जो जैसे-तैसे प्रीमियम के लिये पैसा जुटाने का उपक्रम करते हैं। यह भी एक हकीकत है कि ज्यादा कर लगाने से बीमा उत्पादों का दायरा बढ़ाने के तमाम प्रयास निरर्थक ही सिद्ध होते हैं। यही वजह है कि देश का बीमा उद्योग लंबे समय से अपने उत्पादों की अपील बढ़ाने के लिये जीएसटी में कटौती की वकालत करता रहा है। यह बात स्पष्ट है कि सेहत व जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी की दर कम करने से न केवल बीमा करवाना अधिक किफायती हो जाएगा, बल्कि इसके प्रसार को भी अपेक्षित बढ़ावा मिलेगा। सही मायनों में इससे व्यापक वित्तीय सुरक्षा और स्वास्थ्य कवरेज के विस्तार में मदद मिलेगी। जिससे नये उपभोक्ता बीमे के दायरे में लाये जा सकेंगे। बीमा कंपनियां जीएसटी कम होने पर नये उपभोक्ताओं को आकर्षित कर सकती हैं। दरअसल, भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीएआई के वर्ष 2022-23 के लिए जारी आंकड़ों के अनुसार भारत के सकल घरेलू उत्पाद में जीवन बीमा की भागीदारी महज 3.2 फीसदी व स्वास्थ्य बीमा की भागीदारी 0.94 फीसदी है। लोकतंत्र में सरकार की प्राथमिकता होती है कि सामाजिक कल्याण के साथ नागरिकों की आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा दे। लेकिन वर्तमान कराधान नीति सामाजिक कल्याण की कसौटी पर खरी नहीं उतरती। ऐसे में बीमा प्रीमियम पर जीएसटी हटाकर सरकार यह सुनिश्चित कर सकती है कि अधिक नागरिकों को अतिरिक्त वित्तीय तनाव के बिना जीवन की अनिश्चितताओं में सुरक्षा मिल सके। निस्संदेह, केंद्र सरकार को नितिन गडकरी के सुझाव पर न केवल गंभीरता से विचार करना चाहिए बल्कि इस दिशा में शीघ्र कदम भी उठाना चाहिए।

देश दुनीया से

फिर ड्रिल पीरियड, एक सही दिशा

शिक्षा का मतलब शरीर व मन, दोनों का विकास करना है, तो शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो, क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, स्ट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रायोगिक प्रशिक्षण भी इसी उम्र में शुरू करना होता है। शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को कई बार चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है।

वर्षों से स्कूली स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम शुरू करने की बात इस कॉलम के माध्यम से हो रही है तथा हमने भी व्यक्तिगत तौर पर प्रदेश के बड़े निजी स्कूलों के प्रबंधकों से कई बार बात की है, मगर हिमाचल प्रदेश का कोई भी सरकारी या निजी स्कूल अपने यहां फिटनेस कार्यक्रम लागू करने में नाकाम रहा है। कई बार नए शिक्षा सत्र शुरू होकर खत्म हो गए, मगर फिटनेस कार्यक्रम कहीं भी शुरू नहीं हो पाया है। मगर इस वर्ष हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य के विद्यालयों में विद्यार्थियों की सामान्य फिटनेस के लिए पहले की तरह अनिवार्य रूप से ड्रिल के पीरियड का प्रावधान किया है, पर राज्य में फिटनेस संस्कृति के अभाव में धरातल पर कुछ भी सकारात्मक नजर नहीं आ रहा है। शिक्षा का मतलब शरीर व मन, दोनों का विकास करना है, तो शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो, क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, स्ट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रायोगिक प्रशिक्षण भी इसी उम्र में शुरू करना होता है। शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को कई बार चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है। किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है, जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है।

आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं, किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है, इसलिए सरकार, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिएं। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है, तो वह फिर युवावस्था आते-आते समझदार हो गया होता है। माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विद्याओं में व्यस्त रखने के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडऩा बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है, जिससे वे आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सकें। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य रहा है। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ-साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे-धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाडिय़ों को करोड़ों रुपए के नकद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त बातावरण तैयार किया है। उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है।

हिमाचल प्रदेश में भी पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश की खेलों के लिए अपने पहले कार्यकाल से ही कई महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा देश में प्रशिक्षक कैडर डाईंग हो जाने के बाद पहली बार प्रशिक्षकों की भर्ती जैसे बहुत बड़े खेल सुधार किए। हिमाचल प्रदेश की खेल सुविधाओं का प्रयोग राज्य में स्वास्थ्य व खेलों के लिए बड़े स्तर पर करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है।

आप का नजरीया

केरल में 'प्रलय'

प्रलय को हमने पढ़ा और सुना है। जिसने प्रलय को देखा और झेला है, वह जिंदा नहीं रहा। 2013 में केदारनाथ धाम में जो सैलाब आया और तबाही हुई अथवा उत्तरकाशी में भूकंप के बाद जो बाढ़ आई, हमने उन्हें ही प्रलय माना। विनाश और बर्बादी का दूसरा नाम प्रलय है। अब केरल के वायनाड जिले में लगातार तीन भू-स्खलन आए और फिर सैलाब आया, गांव के गांव दफन हो गए, 400 से अधिक घर देखते ही देखते 'मलबा' हो गए, करीब 200 मौतें हो चुकी हैं और इतने ही लोग लापता बताए जा रहे हैं, यह प्रलय नहीं है, तो और क्या है? यह कुदरती मार नहीं, मानव-निर्मित घटना है, क्योंकि आदमी अपनी ऐयाशी के लिए पहाड़ों को तोड़ रहा है। पहाड़ों की चोटियों पर भी इमारतें बनाई जा रही हैं। केरल में सेना और एनडीआरएफ के जवान हमें 'देवदूत' लगे, जिन्होंने मलबे में से निकाल कर असंख्य जिंदगियां बचाईं। हालांकि केरल की भौगोलिक स्थिति परंपरागत पहाड़ों से भिन्न है, लेकिन देश भर के 80-85 फीसदी भू-स्खलन केरल में ही आते हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के मुताबिक, 2015 से 2022 तक 3782 भू-स्खलन आए। उनमें से करीब 60 फीसदी केरल में ही आए। मौजूदा हालात पर विशेषज्ञों का मानना है कि अरब सागर का तापमान बढने से बेहद घने बादल बने और उसी से केरल में कम समय में बहुत ज्यादा बारिश हुई। वायनाड पहाड़ी जिला है और पश्चिमी घाट का हिस्सा है। यहां 2100 मीटर तक ऊंचे पहाड़ हैं। मानसून में ये पहाड़ भू-स्खलन के लिए बेहद संवेदनशील हैं। जहां यह त्रासद घटना हुई है, वहां दो सप्ताह से बारिश हो रही थी, लिहाजा पहाड़ की मिट्टी गीली और ढीली हो चुकी थी। इसलिए एक ही रात में लगातार 3 भू-स्खलन आए। जमीन खिसक गई। घर हिलने लगे। पहाड़ दरक कर गिरने लगे। सडक़ और पुल ताश के पत्तों की तरह बिखरने और ढहने लगे। जलवायु-परिवर्तन ने भी बारिश की स्थिति और भू-स्खलन की तीव्रता को बढ़ाया है। एक शोध में कहा गया है कि जो वायनाड साल भर बूंदाबांदी और मानसून की बारिश वाला ठंडा, नम वातावरण वाला इलाका होता था, जलवायु-परिवर्तन के कारण अब सूखा, गर्म, लेकिन मानसून के दौरान भारी, तीव्र बारिश वाला क्षेत्र बन गया है। इस बदलाव से भू-स्खलन का जोखिम बढ़ा है। 2018 के मानसून में भी खूब बारिश हुई थी, तब करीब 400 लोगों की जान चली गई थी। उसके बाद केरल में भू-स्खलन वाला क्षेत्र बढ़ गया है। इस हादसे, संकट या घटना पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में बयान दिया है कि उन्होंने 23, 24, 25 जुलाई को केरल सरकार को चेतावनी भेजी थी। फिर 26 जुलाई को भू-स्खलन, भारी बारिश की चेतावनी देते हुए आशंका व्यक्त की थी कि कई जानें भी जा सकती हैं। केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने ऐसी चेतावनियों से इंकार किया है। उनका कहना है कि रेड अलर्ट तब जारी किया गया, जब सैलाब आ चुका था। बहरहाल ऐसे आरोप-प्रत्यारोप से बचना चाहिए। देश में हर राज्य में, हर क्षेत्र में विकास होना चाहिए, लेकिन ऐसी घटनाओं से सबक भी सीखना चाहिए।

कांग्रेस विधायक भाकर विधानसभा के बजट सत्र से निलंबित, सदन में मार्शलों से धक्का-मुक्की

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर को विधानसभा के बजट सत्र की शेष कार्रवाई से निलंबित करने के विरोध में सोमवार को राजस्थान विधानसभा में कांग्रेस विधायकों ने हंगामा किया। भाकर पर सोमवार को सदन में हंगामे के दौरान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की तरफ गलत इशारे करके दुर्व्यवहार करने का आरोप है। भाकर को निलंबन के बाद मार्शल बुलाकर जब बाहर निकाला जा रहा था, इसी दौरान कांग्रेस विधायकों ने घेरा बना लिया। इसके बाद मार्शल और कांग्रेस विधायकों के बीच धक्का-मुक्की तथा हाथापाई हो गई। इसके बाद सदन की कार्रवाई मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई। विधानसभा में मार्शलों और कांग्रेस विधायकों की धक्का-मुक्की में वरिष्ठ विधायक हरिमोहन शर्मा जमीन पर गिर गए। कई और विधायक भी गिर गए। विधायक अनिता जाटव की मार्शलों से धक्का-मुक्की में चूड़ियां टूट गईं। कांग्रेस विधायक सदन में धरने पर बैठे हैं। इससे पहले सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने भाकर के निलंबन का प्रस्ताव पेश किया, जिसे पारित करवा दिया। प्रस्ताव पारित होते ही विधानसभा अध्यक्ष ने मार्शल को भाकर को सदन से निकालने का आदेश दिया। इसके बाद सदन की कार्रवाई को आधे घंटे के लिए तीन बजकर 29 मिनट तक के लिए स्थगित कर दी। साढ़े तीन बजे कार्रवाई आधे घंटे के लिए फिर स्थगित कर दी गई थी। देवनानी ने कहा कि सदन चले या न चले, लेकिन इस तरह का बर्ताव बर्दाश्त नहीं होगा। विधानसभा में हुई घटना को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा पर निशाना साधा है। गहलोत ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा- पहले विधानसभा में कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर का निलंबन और जबरन निष्कासन। फिर मार्शलों की ओर से वरिष्ठ विधायक हरिमोहन शर्मा को जमीन पर गिराना और महिला विधायक अनिता जाटव से बदसलूकी कर उनकी चूड़ियां तक तोड़ देने की मैं कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। यह राज्य की भाजपा सरकार की तानाशाही सोच का नतीजा है, जिसके कारण चुने हुए जनप्रतिनिधियों के साथ ऐसा दुर्व्यवहार किया गया। विधानसभा में मार्शलों से धक्का-मुक्की के बाद कांग्रेस विधायक सदन की कार्रवाई स्थगित होने के बाद भी धरने पर बैठे हैं। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि हम रात भर धरना देंगे। विधानसभा में लंच ब्रेक के बाद जमकर हंगामा हुआ। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और विधानसभा अध्यक्ष के बीच नोकझोंक हो गई। जूली ने कहा कि एक जुलाई से भारतीय न्याय संहिता लागू हो चुकी है।

तेज बारिश में फैक्ट्री की दीवार ढहने से 13 श्रमिक मलबे में दबे, तीन की मौत

जोधपुर (हिंस)। बोरानाड़ा थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के एक फैक्ट्री की दीवार ढह गई। मलबे में करीब 13 श्रमिक दब गए। जिनमें से तीन श्रमिकों की मौत हो गई। श्रमिकों को मलबे से निकालकर एमडीएम हॉस्पिटल भिजवाया गया है। जहां उनका उपचार जारी है। दो श्रमिकों के शव को एम्स हॉस्पिटल की मोर्चरी और एक श्रमिक का शव एमडीएम की मोर्चरी में रखवाया गया है। सभी मजदूर कोटा व मध्यप्रदेश के रहने वाले है। जानकारी के अनुसार रविवार रात से जोधपुर में बारिश का दौर चल रहा है। ऐसे में बोरानाड़ा थाना क्षेत्र के सालावास रोड पर महालक्ष्मी टिंबर नाम से संचालित होने वाली एक फैक्ट्री की दीवार सुबह चार बजे अचानक से ढह गई। दीवार के पास दूसरी फैक्ट्री के श्रमिकों की रहने के लिए तीन शेड बने हुए थे। दीवार गिरने से 13 श्रमिक मलबे के नीचे दब गए। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस व अन्य लोग भी मदद के लिए मौके पर पहुंच गए और श्रमिकों को मलबे से बाहर निकाला गया। हादसे में तीन श्रमिक की मौके पर ही मौत हो गई। अन्य घायल श्रमिकों का एम्स हॉस्पिटल में उपचार चल रहा है। इनमें से एक श्रमिक की हालत गंभीर बनी हुई है। बोरानाडा थाने के एसएचओ शकील अहमद ने बताया कि तेज बारिश के कारण देर रात तीन बजे न्यू महालक्ष्मी फैक्ट्री की दीवार गिर गई। फैक्ट्री की दीवार के पीछे मजदूरों के टिन शेड बने हुए थे। ऐसे में पीछे की दीवार मजदूरों के टीन शेड पर जाकर गिर गई, जिसमें 13 मजदूर दब गए। सूचना मिलते ही करीब साढ़े तीन बजे पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। लेकिन, तब तक तीन मजदूरों की मौत हो चुकी थी।

हरियाणा में भाजपा के मास्टरस्ट्रोक से विपक्षी दल चित्त

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में अब 24 फसलों की खरीद एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर होगी। ऐसा करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है। यह फैसला भाजपा सरकार के लिए मास्टर स्ट्रोक साबित हो सकता है। जिसका असर तीन महीने बाद होने जा रहे विधानसभा चुनाव में साफ तौर से नजर आएगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 4 अगस्त को कुरुक्षेत्र में आयोजित विजय शंखनाद रैली में इसका एलान किया तो विपक्ष अपने भाषण की स्क्रिप्ट बदलने में लग गया। एमएसपी ऐसा मुद्दा था, जिसे साल 2019 के विधानसभा चुनाव में भी तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहरलाल अपनी समझदारी से विपक्ष के हाथों से छिनने में कामयाब हो गए थे। इसके बाद उन्होंने केंद्र सरकार से कदमताल करते हुए अपने साढ़े 9 साल के शासन में कांग्रेस और इनेलो को विधानसभा के अंदर और स ?कों पर इस मुद्दे पर बैकफुट पर रखा। उन्होंने एमएसपी पर बजाय शोर मचाने के बेहद संजीदगी से काम करना शुरू कर दिया। उन्होंने नवंबर 2023 में गन्ने के एमएसपी को 372 से बढ़ाकर 386 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया था। साथ ही 2024 के लिए भी गन्ने का एमएसपी 386 से बढ़ाकर 400 रुपए प्रति क्विंटल करने की घोषणा की। जिसकी सराहना राष्ट्रीय स्तर पर हुई। इतना ही नही फरवरी 2024 में बजट पेश करते हुए मनोहर लाल ने किसानों के कृषि ऋण पर ब्याज और लघु माफ करने की घोषणा कर दी। उनका इरादा किसानों को हर लिहाज से आर्थिक तौर पर मजबूत करना था।

बिहार के वैशाली और किशनगंज में हुई मौतों पर मुख्यमंत्री ने जताया शोक

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वैशाली जिले के औद्योगिक थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव के पास डीजे ट्रॉली पर सवार 9 कांवड़ियों की करंट लगने से मौत की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। साथ ही सीएम ने किशनगंज में तीन बच्चे की डूबने से हुई मौत पर गहरा दु:ख जताया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर नॉर्थ बिहार पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के द्वारा मृतकों के परिजनों को 04-04 लाख रुपए का अनुग्रह अनुदान भुगतान कर दिया गया है। दूसरी ओर मुख्यमंत्री ने किशनगंज में तालाब में डूबकर तीन बच्चों की हुई मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुर्घटना काफी दु:खद है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को चार-चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने के शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

मांगों को लेकर ग्रामीण सफाई कर्मियों ने निकाला पैदल रोष मार्च

यमुनानगर (हिंस)। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में इकठ्ठा होकर शहर के कन्हैया साहिब चौक से पैदल रोष मार्च निकालकर लघु सचिवालय के सामने प्रदर्शन किया और उप मंडल अधिकारी जगाधरी के माध्यम से अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। सोमवार को इस मौके पर ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के कार्यकारी प्रधान बालकराम व महासचिव राजेश कुमार ने संयुक्त रूप से बताया कि आज ग्रामीण सफाई कर्मियों द्वारा प्रदेश के सभी 22 जिलों में अपनी

मांगों को लेकर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 17 वर्षों से सफाई कर्मचारी के रूप में कार्य कर रहें है। लेकिन सरकार हमें नियमित नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार नई-नई पॉलिसियां बना रही है लेकिन हमें उससे बाहर रखा गया है। उन्होंने कहा कि गांवों के सरपंचों द्वारा राजनीति के चलते सफाई कर्मचारियों को ड्यूटी से हटाया जा रहा है। सफाई कर्मियों को खंड अधिकारी के कार्यालय द्वारा पे रोल पर रखा जाए। वहीं ऑनलाइन हाजिरी लगाने को लेकर उन्होंने कहा कि जब बड़े-बड़े अधिकारियों की ऑनलाइन हाजिरी नहीं लगाई जाती तो ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की ऊपर ऐसा आदेश क्यों लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पांच गांवों के ऊपर एक निरीक्षक नियुक्त कर सफाई कर्मियों की हजारी मैनुअल लगाई जाए। उन्होंने कहा कि हमारी मांगे की सरकार नई पॉलिसी के तहत हमें उसमें शामिल करें। हमारा मानदेय 26000 रुपए प्रति माह किया जाए। इसके साथ-साथ सभी कर्मचारियों को पक्का करें और जिन कर्मचारियों को निकाला गया है, उन्हें वापस नौकरियों पर लेकर उनका बकाया मानदेय दिया जाए। उन्होंने कहा कि अगर सरकार हमारी इन मांगों का समाधान नहीं करती तो 9 अगस्त को करनाल में वें मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे।

जन्माष्टमी पर होंगे श्रीकृष्ण बलराम के बीस मिनट में दर्शन

जयपुर (हिंस)। श्री कृष्ण-बलराम मंदिर में 26 अगस्त की जन्माष्टमी को लेकर खास तैयारियां शुरू हो गई हैं, भगवान कृष्ण के जन्म पर पूरे शहर के लाखों लोग मंदिर में आकर उनका विशेष आशीर्वाद लेते है और आध्यात्मिक जीवन में आगे बढ़ते हैं। इस जन्माष्टमी पर ज्यादा से ज्यादा भक्तों को भगवान के दर्शन हो इसके लिए मंदिर और शहर के पुलिस प्रशासन ने मिलकर अनूठी पहल की है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ, लॉ एंड आर्डर के आईपीएस कुंवर राष्ट्रदीप, डीसीपी ईस्ट, एसीपी ने पुलिस लवाजमे के साथ मंदिर में जन्माष्टमी की तैयारियों का जायजा लिया। जन्माष्टमी पर भक्तों की सहूलियत के लिए पुलिस और मंदिर प्रशासन ने मिलकर बहुत ही बेहतर व्यवस्थाओं की तैयारियां की है। इस बार मंदिर में दर्शन के लिए दो पंक्तियां लगाईं जायेंगी। जिससे भक्त सिर्फ बीस मिनिट के अन्दर की भगवान के दर्शन कर सकेंगे। रात के समय में भी भक्त बहुत ही थोड़े समय में भगवान कृष्ण की सुंदर छवि के नयनाभिराम दर्शन कर सकेंगे। मंदिर में इस बार पार्किंग के लिए भी बहुत ही पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने दस हजार गाड़ियों की पार्किंग का आश्वासन दिया है। साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए ट्रैफिक डायवर्ट करने के निर्देश भी दिए है द्य इसके साथ ही मंदिर प्रशासन ने भी जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में आने वाले भक्तों की सुरक्षा और सहूलियत को ध्यान में रखते हुए इस बार खास इंतजाम किए हैं। जिससे भक्तों को कोई भी असुविधा ना हो। मंदिर के अध्यक्ष अमितासन दास ने पुलिस प्रशासन के सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद प्रेषित किया है।

अंबेडकर की मूर्ति हटाने के विरोध में गांव बरटा के दलितों ने कैथल में किया प्रदर्शन

कैथल (हिंस)। गांव बरटा की पंचायती जमीन पर लगी डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा हटाए जाने के विरोध में सोमवार को गांव के दलितों ने शहर में प्रदर्शन किया और डीसी को अपनी मांगों का ज्ञापन दिया। प्रदर्शन का नेतृत्व एडवोकेट रजत कंसल ने किया। ग्रामीण सुबह जोहर पार्क में इकट्ठे हुए और एक सभा की। सभा में बोलते हुए रजत ने कहा कि 9 फरवरी 2024 को सरकारी ग्रांट से गांव बरटा में सार्वजनिक भूमि पर बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित की गई थी। जिसे मौजूदा सरपंच दूसरे ग्राम वासियों की सहायता से हटाना चाहता है। सरपंच जब दीवार तोड़ने लगा तो दलितों का विरोध किया और दोनों पक्षों में विवाद हो गया। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। दलितों की

शिकायत पर एससी एसटी एक्ट लगाया गया था। जिसकी जांच डीएसपी को सौंप गई थी और उसने 90 दिनों में रिपोर्ट देनी थी। डीएसपी ने जल्दबाजी करके 15 दिन में रिपोर्ट दे दी और दूसरे पक्ष से एससी एक्ट हटा दिया गया। दूसरे पक्ष की शिकायत पर दलितों को ही गिरफ्तार किया गया। गांव के सरपंच ने बी आर अंबेडकर सभा को प्रतिमा हटाने के लिए नोटिस दिया। इसके बाद एसडीएम ने भी प्रतिमा हटाने के आदेश जारी किए। भीम आर्मी कैथल जिला के प्रधान राजेश ने बोलते हुए कहा कि गांव बालू में भी दलितों के साथ नाइंसाफी की गई और उनके गांव का भी यही मैटर है। पंचायत के जितने भी नुमाइंदे हैं और सरकार के जितने भी आदमी बैठे हैं। वह सब हमारे खिलाफ हैं। दलित समाज के लोग जवाहर पार्क से पेहवा चौक होते हुए प्रदर्शन करते लघु सचिवालय पहुंचे। लघु सचिवालय के बाहर काफी देर तक कोई भी अधिकारी उनके ज्ञापन लेने के लिए नहीं पहुंचा। जहां मैं देर तक प्रदर्शन करते रहे। इसके बाद एसपी उपासना व एडीसी जय श्रद्धा मौके पर पहुंची और उनका ज्ञापन लिया। दोनों अधिकारियों ने उनकी बात सरकार तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। जिसके बाद वह वापस गांव लौट गए।

छोटीकाशी के शिवालयों में हुई भोलेनाथ की विशेष आराधना

जयपुर (हिंस)। सावन के तीसरे सोमवार को दिन भर रुक रुककर बारिश होती रही। भोले के भक्त अल सुबह तीर्थ नगरी गलता से कांवड़ यात्रा लेकर रवाना हुए। कांवड़ यात्रा के साथ शहर भर के विभिन्न शिवालयों में भोलेनाथ का विशेष अभिषेक किया गया। जिसके चलते शिवालयों में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। मंदिर प्रशासन ने पुलिस कर्मियों की सहायता से भक्तों को कतार में भोले के दर्शन करवाए। 8 क्वींस रोड स्थित झारखंड महादेव मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार को भक्तों का तांता लगा रहा। बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने मंदिर प्रशासन की मदद से महिलाओं व पुरुषों की अलग-अलग कतारें लगवाई। भक्तों ने बाबा का दूध, दही, बूरा, शहद, घी, गंगाजल, पानी बिल्व पत्र और गन्ने के रस से अभिषेक किया। चौड़ा रास्ता के तारकेश्वर महादेव मंदिर में अल सुबह से ही भक्तों की भीड़ जमा हो गई। मंदिर प्रशासन ने रस्सी की सहायता से दो पंक्तियों बनाई, जिसमें लग कर श्रद्धालुओं ने श्रद्धालुओं ने भोले बाबा का अभिषेक किया। देर शाम मंदिर परिसर में भोले नाथ का अलौकिक श्रृंगार कर झांकी सजाई गई। श्रद्धालुओं ने बाबा की महाआरती की। आमेर रोड स्थित गोविंद देवजी मंदिर के काला महादेव मंदिर में बड़ी संख्या में भक्तों ने भोले नाथ की आराधना की। ब्रह्म मुहूर्त में काला महोदव मंदिर में भक्तों का तांता लग गया। जिसके चलते मंदिर प्रशासन ने भक्तों को दो अलग अलग पंक्तियों में भोले नाथ की पूजा संपन्न करवाई। झोटवाड़ा रोड के चमत्कारेश्वर, बनीपार्क के जंगलेश्वर, रामगंज के ओंडा महादेव, आमेर के भूतेश्वर, कूकस के सदाशिव ज्योर्तिलिंगेश्वर सहित अनेक शिव मंदिरों में भी भक्तों ने गलता तीर्थ के पवित्र जल से बाबा का जल अभिषेक कर विधि-विधान से पूजा अर्चना की। उत्तर भारत की प्रमुख श्री वैष्णव पीठ गलताजी में भी श्रावण माह की शिवरात्रि को हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ें। गलता परिसर के विभिन्न प्राचीन शिवालयों में भक्ति भाव से पूजा-अर्चना की। यहां दिन भर यज्ञ, अनुष्ठान, सहस्त्रघट अभिषेक सहित अन्य धार्मिक आयोजन हुए। गलता से निकलने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन काफी चौकन्ना रहा। हल्की दूहल्की फुहोरो के बीच पुलिसकर्मी रेन कोट और छातों के बीच कांवड़ यात्रा के साथ चलते नजर आए। कांवड़ियों को बरसात और यातायात में जाम का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए पुलिकर्मियों ने शहर की चार दीवारी में मोर्चा संभाला। एमआई रोड स्थित अमरापुर दरबार के 108 भक्तजन तीर्थ नगरी गलता से अल सुबह कांवड़ लेकर रवाना हुए।

आजाद भारत की सबसे युगांतकारी और अभूतपूर्व तारीख 5 अगस्त : नंदी

कुछ तारीखों से समाज व राष्ट्र नई करवट लेता है

प्रयागराज (हिंस)। सामान्यत: तारीखें इतिहास के पन्नों का मात्र हिस्सा होती हैं, किंतु कुछ तारीखों से समाज और राष्ट्र नई करवट लेता है। अनुच्छेद 370 के उन्मूलन की तारीख 5 अगस्त, 2019 आजाद भारत की सबसे युगांतकारी और अभूतपूर्व तारीख है। आज धरती का स्वर्ग मानो पुस्तकों से यथार्थ की जमीन पर आकार ले रहा है। एक जमाने में दहशत के साए में जकड़ा कश्मीर आज पर्यटन एवं प्रगति का वाहक बन रहा है। यह आज राष्ट्र की मुख्यधारा और विकास यात्रा के साथ लयबद्ध भी है। सांस्कृतिक और वैवाहिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए आज कश्मीर दुनिया के सबसे मनोहारी एवं आकर्षक स्थल के रूप में ख्यातिलब्ध और स्थापित हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा देश के भीतर डेस्टिनेशन वेडिंग के आह्वान से प्रेरित होकर मैंने भी अपने सुपुत्र के विवाह स्थल के रूप में इस मनोरम स्थल का चयन किया था। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नन्दी ने कहा कि आप सभी से अपने अनुभव साझा करते हुए यही कह सकता हूं कि आज का कश्मीर अप्रतिम, अद्भुत और अकल्पनीय है। उन्होंने कहा कि *वेड इन इंडिया*

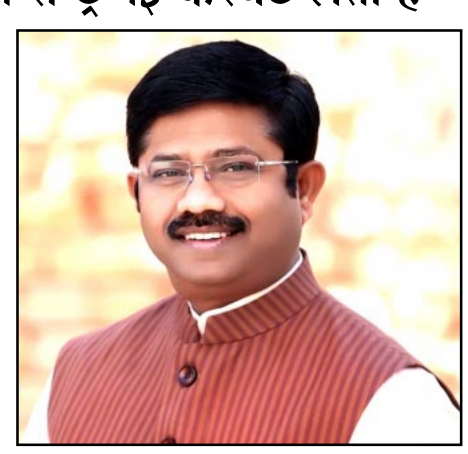

अपनी धरती पर अपनों के साथ सुखद स्मृतियों को सहेजने का स्वर्णिम अवसर है। यह प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री के अखंड संकल्प की सिद्धि है। राष्ट्रीय स्वप्न के साकार होने के पांच वर्ष की पूर्णता और कश्मीर को नई बुलंदियों को स्पर्श करने की हृदय से शुभकामनाएं।

तीज पर जयपुर शहर में आधे दिन का अवकाश घोषित

जयपुर (हिंस)। राज्य सरकार ने जयपुर में तीज के अवसर पर आधे दिन का अवकाश की घोषित किया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके आदेश जारी किए है। जारी आदेश के मुताबिक जयपुर शहर के सभी सरकारी कार्यालयों में दोपहर 1.30 बजे बाद अवकाश रहेगा। सरकार ने तीज पर निकलने वाली भव्य सवारी और मेले को देखते हुए यह निर्णय किया है। सात अगस्त को तीज के दिन जयपुर स्थित राज्य सरकार के समस्त कार्यालयों, राजकीय उपक्रमों और शिक्षण संस्थानों में आधे दिन का अवकाश रहेगा। उल्लेखनीय है कि जयपुर के चारदीवारी एरिया में तीज माता की सवारी निकाली जाती है। सालों पुरानी इस परम्परा को देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग चारदीवारी स्थित त्रिपोलिया गेट आते हैं।

विदेश भागने की फिराक में पूर्व मंत्री का बेटा फिरोज एयरपोर्ट से गिरफ्तार

मेरठ (हिंस)। देश छोड़कर भागने की फिराक में लगे पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी के बेटे फिरोज उर्फ भूरा को पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाया हुआ है। जमानत में देश छोड़कर न जाने की शर्त के बाद भी विदेश भागने की कोशिश में उसे पकड़ा गया। पुलिस ने उसे मेरठ लाकर पूछताछ की तो उसने भविष्य में जमानत की शर्त को नहीं तोड़ने का आश्वासन दिया। इसके बाद उसे छोड़ दिया गया। खरखौदा थाना क्षेत्र में हापुड़ रोड में अलीपुर गांव में स्थित पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी की अलफहीम मीटेक्स प्राइवेट लिमिटेड पर पुलिस ने 31 मार्च 2022 को छापा मारा था। जांच में पता चला कि बंद फैक्ट्री में मीट सप्लाई का काम किया जा रहा था। यहां से पांच करोड़ रुपए का मीट पकड़ा गया। इसके बाद पुलिस ने पूर्व मंत्री याकूब, उसके बेटे इमरान, फिरोज, पत्नी शमजिदा समेत 17 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया था। मामले में पुलिस ने याकूब कुरैशी के खिलाफ संपत्ति जब्त की कार्रवाई भी की थी। केस दर्ज होने के बाद फिरोज फरार हो गया था। 28 नवंबर 2022 को मेरठ पुलिस ने गाजियाबाद के वसुंधरा अपार्टमेंट से फिरोज को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। दो माह मेरठ जेल में रहने के बाद फिरोज को सिद्धार्थनगर जेल शिफ्ट कर दिया था। बाद में कोर्ट से तीन मुकदमों में जमानत मिलने के बाद चार मार्च 2023 को फिरोज को जेल से रिहा कर दिया गया। कोर्ट ने उसकी जमानत में यह शर्त रखी थी कि वह बिना अनुमति देश से बाहर नहीं जाएगा। इसके बाद मेरठ पुलिस ने फिरोज के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाया था। एसएसपी मेरठ डॉ. विपिन ता ?ा के अनुसार, फिरोज को दिल्ली एयरपोर्ट से पकड़ा गया। खरखौदा थाने की पुलिस उसे रविवार को एयरपोर्ट से थाने लेकर आई। उससे पूछताछ की गई। भविष्य में जमानत की शर्त का उल्लंघन नहीं करने का आश्वासन दिया। इसके बाद उसे थाने से छोड़ दिया गया। पूर्व मंत्री याकूब बसपा सरकार में मंत्री रहा। इसके बाद से वह लगातार विवादों में रहा। डेनमार्क के कार्टूनिस्ट का सर कलम करने पर 51 करोड़ रुपए का इनाम घोषित करके याकूब चर्चा में आया। इसके साथ ही सिपाही चहन सिंह बालियान को थप्पड़ मारने को लेकर भी याकूब विवादों में रहा। इसके साथ ही अपने बयानों को लेकर भी याकूब का विवादों ने पीछा नहीं छोड़ा।

आम जनता का कुछ हजार बकाया होने पर बिजली काट दी जाती है, ऊर्जा मंत्री के घर छह लाख बकाया : अनिल कुमार सिंह

सहरसा (हिंस)। आजकल बिहार का ऊर्जा विभाग गलत कारणों से लगातार चर्चा में है। बीते 25 जुलाई को राष्ट्रीय युवा नेता अनुपम और आरटीआई एक्टिविस्ट अनिल कुमार सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस कर संजीव हंस पर कार्रवाई की मांग की थी, जिसके बाद बिहार सरकार को आईएएस संजीव हंस को पद से हटाने को मजबूर होना पड़ा। इसी कड़ी में अब एक आश्चर्यजनक तथ्य का खुलासा हुआ है। राष्ट्रीय आंदोलन *युवा हल्ला बोल* के कार्यकारी अध्यक्ष गोविंद मिश्रा, महासचिव प्रशांत कमल, रजत यादव और भ्रष्टाचार मुक्त कोसी जागरूकता अभियान के संयोजक अनिल कुमार सिंह ने सहरसा में सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर बिजली विभाग से संबंधित कई तथ्यों को उजागर किया। युवा नेता प्रशांत कमल ने प्रेस वार्ता को संबोधित कर कहा कि स्मार्ट मीटर लगाने की परियोजना पूरे देश स्तर पर चलाया जा रहा है। बिहार में भी प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेजी से चल रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस कार्य के लिए ऊर्जा मंत्री को बधाई भी दे चुके हैं। ऊर्जा मंत्री खुद भी इस कार्य के लिए अपनी पीठ कई बार थपथपा चुके हैं और बिहार को स्मार्ट मीटर लगाने में देश का अग्रणी राज्य बता चुके हैं। शहरी क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए इस कार्य को द्रुत गति से चलाया जाने का दावा किया जा रहा है। इस कार्य के लिए ऊर्जा विभाग के कर्मचारियों को भी प्रोत्साहित किया जाता रहा है लेकिन पूरे बिहार के

अलग अलग कोनों में स्मार्ट मीटर का विरोध हो रहा है। लोग बिल बढ़ने की शिकायत कर करके त्रस्त हो चुके हैं। विधानसभा में भी मामला उठने के बावजूद ऊर्जा मंत्री स्मार्ट मीटर को डिजिटल गवर्नेंस का बेहतरीन उदाहरण बता चुके हैं। लोगों में स्मार्ट मीटर के प्रति संशय और आक्रोश के बावजूद पुराने मीटर को हटाकर लाखों की संख्या में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं लेकिन हैरत की बात है कि ऊर्जा मंत्री ने खुद अपने घर में प्रीपेड स्मार्ट मीटर नहीं लगवाया है। स्मार्ट मीटर न तो सुपौल स्थित उनके आवास पर लगा है और न ही पटना स्थित उनके आवास पर ही स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा है। प्रीपेड स्मार्ट मीटर में घोटाले के आरोप तो अक्सर लगते रहते हैं। लेकिन मंत्री जी द्वारा अपने ही घर में स्मार्ट मीटर न लगवाना शंकाओं को और भी बढ़ाता है। युवा नेता प्रशांत कमल ने जोर देकर पूछा कि अगर स्मार्ट मीटर में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं है तो मंत्री जी अपने घर में क्यूं नहीं लगवा रहे हैं। इसका मंत्री जी को संतोष जनक जवाब देना चाहिए।

देश की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 7 से 7.2 प्रतिशत बढ़ने की संभावना : डेलॉयट इंडिया

नई दिल्ली।
डेलॉयट इंडिया ने सोमवार को कहा कि मजबूत आर्थिक बुनियादी ढांचे और घरेलू नीति सुधारों में निरंतरता से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था सात से 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। डेलॉयट के अगस्त माह के भारत आर्थिक परिदृश्य के अनुसार केंद्रीय बजट 2024-25 में कृषि उत्पादकता में सुधार, युवाओं के लिए रोजगार सृजन, विनिर्माण तथा सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए वित्त तक पहुंच की चुनौती का समाधान करने की दिशा में की गई कई पहलों से आपूर्ति पक्ष की मांग में सुधार, मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। डेलॉइट इंडिया की एक अर्थशास्त्री ने कहा कि वर्ष के पहले छह महीनों में अनिश्चितता के दौर के बाद भारत दूसरी छमाही में मजबूत वृद्धि दर्ज करेगा। आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा गया, मजबूत आर्थिक बुनियाद वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत से 7.2 प्रतिशत के बीच रहेगी। शहरी-ग्रामीण उपभोक्ता व्यय अंतर, मुद्रास्फीति तथा रोजगार संबंधी चिंताओं से प्रभावी ढंग से निटपने से महत्वाकांक्षी ग्रामीण उपभोक्ताओं की सामर्थ्य में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। डेलॉइट इंडिया का वृद्धि अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुमान के बराबर है। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। यह वित्त मंत्रालय की आर्थिक समीक्षा में लगाए अनुमान से अधिक है, जिसमें जीडीपी विस्तार का अनुमान 6.5 से सात प्रतिशत के बीच लगाया गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है।

मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी

न्यूज ब्रीफ

इंडिगो एयरलाइन नवंबर में 12 घरेलू मार्गों पर शुरू करेगी 'बिजनेस क्लास' सर्विस

नई दिल्ली। बजट विमानन सेवा कंपनी इंडिगो एयरलाइनंस नवंबर के मध्य से 12 घरेलू मार्गों पर उड़ानों में 'बिजनेस क्लास' सीट की सर्विस शुरू करेगी। इसकी बुकिंग मंगलवार से होगी। इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने सोमवार को एयरलाइंस की उड़ान सेवा के 18 वर्ष पूरा होने मौके पर यहां आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि नवंबर के मध्य से 12 घरेलू मार्गों पर 'बिजनेस क्लास' सीट की सर्विस व्यस्ततम मार्गों के साथ-साथ व्यावसायिक मार्गों पर भी उपलब्ध होंगी, जिनमें राजधानी दिल्ली से चुनिंदा उड़ानें भी शामिल हैं। एयरलाइन चालू वित्त वर्ष 2024-25 में सात और अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए अपनी उड़ानें शुरू करेगी। फिलहाल टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और विस्तारा एयरलाइंस बिजनेस क्लास सीट की सेवाएं मुहैया कराती हैं।

एनसीएलएटी से राहत के बाद भी बायजू के फाउंडर रवींद्रन पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। कर्ज के संकट का सामना रही स्टार्टअप फर्म का मामला सुलझता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। 2 अगस्त को ही एडटेक को राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण (एनसीएलएटी) से राहत मिली थी, लेकिन अब बायजूस के फाउंडर बायजू रवींद्रन ने सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दायर कर दी है। रवींद्रन को अपने अमेरिकी कर्जदाता की तरफ से एनसीएलएटी के आदेश के खिलाफ याचिका दायर करने की आशंका है, ऐसे में उन्होंने पहले ही सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला कर लिया। गौरतलब है कि एनसीएलएटी ने बायजूस की पैरेंट कंपनी थिंक ऐंड लर्न के खिलाफ चल रही दिवालिया कार्यवाही प्रक्रिया पर 2 अगस्त को रोक लगा दी थी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ बायजू रवींद्रन के समझौते को भी मंजूर कर लिया था। जिसके बाद बैजू रवींद्रन सहित कंपनी के प्रमोटर्स को फिर से फर्म का नियंत्रण मिल गया। जिस दिन एनसीएलएटी का फैसला आया उसी दिन ही खबर मिली कि अमेरिकी फर्म ग्लास ट्रस्ट ने एनसीएलएटी से अपील की है कि बायजू की दिवाला कार्यवाही को रद्द न किया जाए। अमेरिका की फर्म भारत के कोर्ट से यह अपील इसलिए की थी क्योंकि ग्लास ट्रस्ट का दावा है कि उसके कर्जदाताओं ने बायजू को 1 अरब डॉलर का कर्ज दिया था और अभी बायजू की जो स्थिति है, यह मुश्किल ही लगता है कि वह खुद से कर्ज चुका पाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बायजू रवींद्रन ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है और कोर्ट से अपील की है कि बायजू के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही को रद्द करने के एनसीएलएटी के आदेश के खिलाफ अमेरिकी कर्जदाताओं की तरफ से दायर की जाने वाली याचिका पर कोर्ट के फैसले से पहले सुनवाई की जाए। रिपोर्ट में बताया गया कि यह याचिका एनसीएलएटी द्वारा रवींद्रन और बीसीसीआई के बीच समझौते को स्वीकार करने के एक दिन बाद 3 अगस्त को दायर की गई थी।

कच्चा तेल 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में गिरावट का रुख है। ब्रेंट क्रूड लुढ़ककर 78 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 74 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पहले दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.39 डॉलर यानी 0.51 फीसदी की गिरावट के साथ 77.19 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.30 डॉलर यानी 0.41 फीसदी लुढ़ककर 73.82 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

ग्लोबल मार्केट से बड़ी गिरावट के संकेत

एशियाई बाजारों में भी दिखाई दिया बिकवाली का दबाव

जापान और ताईवान के स्टॉक एक्सचेंज में सात प्रतिशत से ज्यादा गिरावट

नई दिल्ली।
ग्लोबल मार्केट से सोमवार को कमजोर संकेत मिले हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार भी बुरी तरह से टूट कर बंद हुए थे। एशियाई बाजार में भी चौतरफा दबाव बना हुआ है। सोमवार को आईटी और टेक कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजे और निगेटिव जॉब डेटा की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान हताशा का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांकों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

जापान के निक्की 225 में 1987 के बाद बड़ी गिरावट

तोक्यो। जापान के शेयर सूचकांक निक्की 225 में सोमवार को भारी बिकवाली के कारण 10 प्रतिशत की गिरावट आई। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में नरमी के बीच यह गिरावट आई। सूचकांक निक्की सोमवार दोपहर तक 3,500 अंक से अधिक गिरकर 32,385.01 अंक पर आ गया। इसमें शुक्रवार को 5.8 प्रतिशत की गिरावट आई थी। दो कारोबारी सत्र की यह अभी तक की सबसे अधिक गिरावट रही। निक्की में अक्टूबर 1987 में 3,836 अंक की गिरावट आई थी जिसे ब्लैक मंडे करार दिया गया था। बैंक ऑफ जापान (बीओजे) के अपनी प्रमुख ब्याज दर बढ़ाने के बाद से तोक्यो में शेयर की कीमतों में गिरावट आई है।

डाउ जॉन्स 600 अंक से अधिक की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 100.12 अंक यानी 1.84 प्रतिशत लुढ़क कर 5,346.56 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 417.98 अंक यानी 2.43 प्रतिशत की जोरदार कमजोरी के साथ 16,776.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी सोमवार को फिलहाल 311.34 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,425.92 के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान भगदड़ का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 108.65 अंक यानी 1.33 प्रतिशत टूट कर 8,174.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 118.65 अंक यानी 1.64 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 7,521.80 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 421.83 अंक यानी 2.39 प्रतिशत की जबरदस्त कमजोरी के साथ 17,661.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में भी बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 1 सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। एशियाई बाजारों में इकलौता शंघाई कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.07 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,907.33 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 444.50 अंक यानी 1.80 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,270.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 106.28 अंक यानी 3.14 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 3,275.17 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। वहीं हैंग सेंग इंडेक्स 0.23 प्रतिशत टूट कर 16,906.74 अंक के स्तर तक गिर गया है।

निक्केई इंडेक्स, ताइवान वेटेड इंडेक्स और कोस्पी इंडेक्स जबरदस्त गिरावट का शिकार हुए हैं। निक्केई इंडेक्स फिलहाल 2,608.78 अंक यानी 7.26 प्रतिशत टूट कर 33,300.92 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 1,548.87 अंक यानी 7.16 प्रतिशत लुढ़क कर 20,089.22 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 178.16 अंक यानी 6.66 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 2,498.03 में अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,291.5 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 130.02 अंक यानी 1.78 प्रतिशत टूट कर 7,178.10 के स्तर पर कारोबार करते नजर आ रहे हैं।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर में जुलाई में हल्की गिरावट

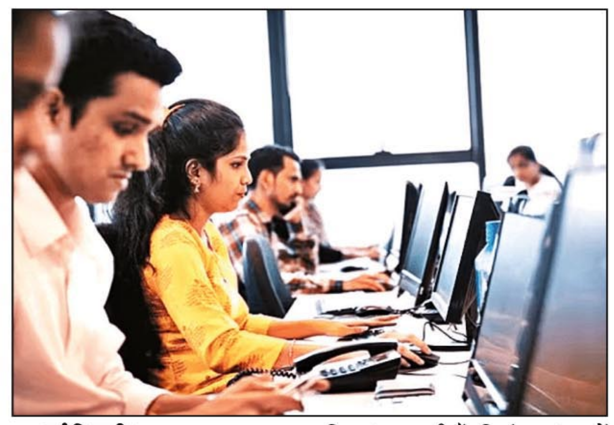

नई दिल्ली।
देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर जून की तुलना में जुलाई में थोड़ी धीमी देखी गई। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.3 रही जबकि जून में यह 60.5 थी। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि जुलाई में सेवा क्षेत्र की गतिविधि थोड़ी धीमी गति से बढ़ी, नए कारोबार में और वृद्धि हुई जो मुख्य रूप से घरेलू मांग से प्रेरित रही। सेवा कंपनियां आने वाले वर्ष के लिए आशावादी हैं। सितंबर 2014 में इस सर्वेक्षण की शुरुआत के बाद से नए निर्यात ठेकों में तीसरी सबसे तेज वृद्धि हुई है, जिसका कारण दुनिया भर से भारतीय सेवाओं की मांग में वृद्धि है। निर्यात ठेकों की प्रमुख मांग ऑस्ट्रिया, ब्राजील, चीन, जापान, सिंगापुर, नीदरलैंड और अमेरिका से रही। सर्वेक्षण में कहा गया है कि अनुकूल आर्थिक स्थिति और उत्पादन के प्रति आशावादी उम्मीदों ने सेवा कंपनियों में भर्ती को बढ़ावा दिया। इस बीच एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स जुलाई में 60.7 रहा, जो जून में 60.9 था। एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 सेवा क्षेत्र की कंपनियों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

दाल की कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली। लगभग साल भर परेशान करने के बाद दाल की कीमतों में अब गिरावट देखने को मिल रही है। ऐसे में कहा जा रहा है कि आने वाले महीनों में दालों की कीमतों में और गिरावट आ सकती है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया है कि पिछले एक महीने से देश की विभिन्न मंडियों में दाल की कीमतों में गिरावट आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक चना, तुअर और उड़द जैसी दालों के दाम कम हो रहे हैं। जनवरी में दालों की खुदरा महंगाई दर 19.54 फीसदी पर थी, जो जून में कम होकर 16.07 फीसदी पर आ गई है।

आईईएक्स कारोबार की मात्रा जुलाई में 56 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली।
इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) ने जुलाई 2024 में अब तक का सर्वाधिक 13,25 करोड़ यूनिट (एमयू) का कुल कारोबार प्राप्त किया। यह पिछले साल की समान अवधि से 56 प्रतिशत अधिक है। आईईएक्स के बयान के अनुसार कुल व्यापार मात्रा में अक्षय ऊर्जा प्रमाणपत्र और ऊर्जा-बचत प्रमाणपत्र शामिल हैं। कंपनी ने अनुसार बिजली की मात्रा 1009.3 एमयू तक पहुंच गई, जो पिछले साल की तुलना में 29 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है। अक्षय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईसी) में बढ़ोतरी देखी गई जिसकी मात्रा सालाना आधार पर 405 प्रतिशत बढ़कर 315 एमयू तक पहुंच गई। समीक्षाधीन माह में हरित बिजली की मात्रा 259 प्रतिशत बढ़कर एक अरब यूनिट हो गई। गौरतलब है कि 31 जुलाई 2024 को कारोबारी सत्र में 120 रुपये प्रति प्रमाण पत्र पर आरईसी बाजार ने अब तक का सबसे निचला मूल्य दर्ज किया। ये कीमतें

संस्थाओं को अपने नवीकरणीय खरीद दायित्वों को पूरा करने और स्वैच्छिक ग्राहकों को उनकी स्थिरता आकांक्षाओं को पूरा करने का अवसर प्रदान करती हैं। डे-अहेड मार्केट (डीएएम) की मात्रा जुलाई 2024 में 27 प्रतिशत बढ़कर 505.6 एमयू हो गई। यह जुलाई 2023 में 397.6 एमयू थी। रियल-टाइम इलेक्ट्रिसिटी मार्केट (आरटीएम) की मात्रा जुलाई 2023 में 2,540 एमयू से बढ़कर जुलाई 2024 में 3,334 एमयू हो गई। यह सालाना आधार पर 31 प्रतिशत की वृद्धि दिखाती है।

सर्राफा बाजार की कमजोरी से सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी उल्टे मुंह गिरी

नई दिल्ली।
सावन के तीसरे सोमवार के दिन घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं के भाव में गिरावट का रुख नजर रहा है। सोमवार को गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 70,720 रुपये से लेकर 70,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी सर्राफा बाजारों में 64,840 रुपये से लेकर 64,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी भी सस्ता हुआ है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 85,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

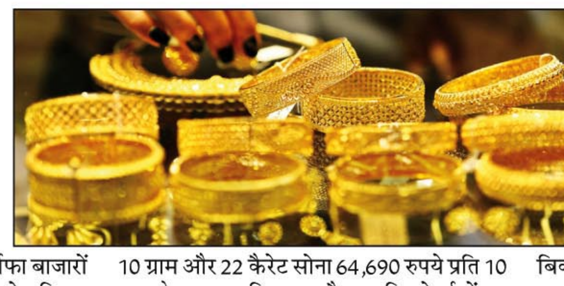

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना सोमवार को 70,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 64,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 70,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 64,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 70,620 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 64,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 70,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 70,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 64,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 70,620 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 64,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 70,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 70,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 64,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कर्नाटक के बाद टोयोटो महाराष्ट्र में लगाएगी विनिर्माण संयंत्र

कंपनी करेगी 20,000 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली।
कर्नाटक के बिडदी में दो विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के बाद अब टोयोटा महाराष्ट्र में नया प्लांट लगाने पर विचार कर रही है। इसके लिए कंपनी करीब 20,000 करोड़ रुपये तक का निवेश करेगी। टोयोटा ने एक बयान में कहा कि महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर में एक नए विनिर्माण संयंत्र की स्थापना की पड़ताल के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कंपनी के पहले से ही बेंगलुरु के पास बिडदी में दो विनिर्माण संयंत्र मौजूद हैं, जिनकी मौजूदा उत्पादन क्षमता 3.42 लाख वाहनों की है।

कर्नाटक में टोयोटा ने अपनी ग्रुप कंपनियों को मिलाकर 16,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया है और इससे करीब 86,000 नौकरियां पैदा हुई हैं। कंपनी ने हाल ही में महाराष्ट्र सरकार के साथ इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड कारों के निर्माण के समझौते पर हस्ताक्षर किए है। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह प्रोजेक्ट वाहन क्षेत्र में क्रांति लाएगी। वहीं टीकेएम के एमडी और सीईओ मसाकाजू योशिमुरा ने कहा कि इस एमओयू के साथ हम भारत में विकास के अगले चरण में कदम रख रहे हैं। इससे हम लोकल और ग्लोबल लेवल पर गुणवत्तापूर्ण वाहनों के साथ जीवन को समृद्ध बनाने में योगदान दे सकेंगे। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र को बदलना, मराठवाड़ा का विकास करना! भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर्स महाराष्ट्र में एक नई विनिर्माण सुविधा शुरू करने के लिए तैयार है! छत्रपति संभाजीनगर के औरंगाबाद औद्योगिक शहर में मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी के लिए 850 एकड़ जमीन आवंटित की गई है।

जुलाई में यात्री वाहनों की बिक्री 10 फीसदी बढ़ी: फाडा

नई दिल्ली । नए मॉडल की पेशकश और बढ़ी हुई छूट से भारत में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री जुलाई में सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़ी। उद्योग निकाय फाडा ने सोमवार को यह जानकारी दी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार जुलाई में कुल यात्री वाहन खुदरा बिक्री बढ़कर 3,20,129 इकाई हो गई, जबकि जुलाई 2023 में यह 2,90,564 इकाई थी। फाडा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि डीलरों ने बताया कि उन्हें अच्छे उत्पाद उपलब्ध होने, आकर्षक योजनाओं और उत्पादों की व्यापक श्रृंखला से लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि भारी बारिश, उपभोक्ता भावना में कमी और तीव्र प्रतिस्पर्धा के कारण चुनौतियां उत्पन्न हुईं, लेकिन अधिक प्रचार तथा बढ़ी छूट के जरिये बिक्री को बनाए रखने में कामयाबी मिली। जुलाई में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 17 फीसदी बढ़कर 14,43,463 इकाई रही, जो जुलाई 2023 में 12,31,930 इकाई थी। वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री पिछले महीने सालाना आधार पर सात फीसदी बढ़कर 80,057 इकाई हो गई। हालांकि, जुलाई में ट्रैक्टर की बिक्री सालाना आधार पर 12 फीसदी घटकर 79,970 इकाई रह गई।

फाडा ने जुलाई महीने की रिपोर्ट तैयार करने के लिए वाहन पंजीकरण आंकड़े देश भर के 1,645 आरटीओ में से 1,568 से जुटाए हैं।

रुपया कमजोर होकर 83.80 डॉलर पर

मुंबई। रुपया सोमवार को कमजोर रुख के साथ खुला और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.80 के सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू मुद्रा में तीव्र गिरावट भारतीय शेयर बाजारों में भारी गिरावट और विदेशी पूंजी की निकासी के कारण आई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.78 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद सर्वकालिक निचले स्तर 83.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.72 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 102.95 पर रहा।

पेरिस ओलंपिक : नोआह लाइल्स ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में जीता स्वर्ण

पेरिस।
संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) के नोआह लाइल्स ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में रविवार देर रात पुरुषों की 100 मीटर दौड़ के फाइनल में स्वर्ण पदक जीता।

लाइल्स को अपने करियर की सबसे बड़ी रेस में कुछ खास करने की जरूरत थी। उन्होंने अपने चरम का फायदा उठाया और स्टेड डी फ्रांस में खचाखच भरी भीड़ के सामने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

नोआह ने 9.784 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। वह दिग्गज उसैन बोल्ट के 9.63 सेकंड के ओलंपिक रिकॉर्ड को तोड़ने से सिर्फ 0.16 सेकंड दूर थे।

जमैका के किशन थॉम्पसन ग्रीष्मकालीन खेलों के इतिहास में सबसे करीबी 100 मीटर दौड़ में से एक में एक सेकंड के अंश से पीछे रहने के बाद रजत पदक से संतुष्ट हुए। नोआह के हमवतन फ्रेड केर्ली ने 9.81 सेकंड के अपने सीजन के सर्वश्रेष्ठ समय के साथ कांस्य पदक जीता।

अपनी जीत के बाद, नोआह 2004 में जस्टिन गैटलिन के 100 मीटर दौड़ में पोडियम के शीर्ष पर आने के बाद स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले अमेरिकी एथलीट बन गए। एथलीटों को नतीजों के लिए कुछ समय तक इंतजार करना पड़ा क्योंकि इस स्पर्धा में भाग लेने वाले सभी आठ धावकों के बीच स्वर्ण पदक के लिए बहुत कम अंतर था।

अंत में, यह घोषित किया गया कि पोडियम के शीर्ष पर पहुंचने के लिए नोआह किशन से 0.005 सेकंड आगे थे। घोषणा के बाद, भीड़ ने जोरदार तालियाँ बजाईं और अमेरिकी धावक की इस उल्लेखनीय जीत की सराहना की। उन्होंने अपनी शर्ट से अपना नाम फाड़कर हवा में लहराया। दक्षिण अफ्रीका के अकाने सिम्बाइन एक बार फिर पोडियम फिनिश से चूक गए क्योंकि वे चौथे स्थान पर रहे। टोक्यो और रियो ओलंपिक में, सिम्बाइन करीब थे, लेकिन स्पर्धा में ओलंपिक पदक जीतने से चूक गए।

नोआह ने पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में 100 मीटर और 200 मीटर की दौड़ जीती थी। 100 मीटर में स्वर्ण जीतने के बाद, वह पेरिस में 200 मीटर दौड़ स्पर्धा में अपना दूसरा स्वर्ण जीतने की कोशिश करेंगे।

जीत पर उठे सवाल : थॉम्पसन का पैर पहले फिनिश लाइन पर पहुंचा

पेरिस ओलंपिक में अमेरिका के नोआ लाइल्स को पुरुष 100 मीटर के इवेंट में स्वर्ण मिलने पर सवाल उठने लगे हैं। इसका कारण है कि जमैका के किशन थॉम्पसन का पैर पहले लाइन के पार हुआ था। इस दौरान सभी धावकों की टाइमिंग तकरीबन बराबर रही। इस जीत के साथ ही अमेरिका के नोआ दुनिया के सबसे तेज धावक बन गए हैं। वहीं थॉम्पसन दूसरे नंबर पर रहे। रेस समाप्त होने के बाद तक किसी को पता नहीं था कि विजेता कौन है। 100 मीटर की रेस में लाइल्स और थॉम्पसन ने तकरीबन एक साथ ही फिनिशिंग लाइन को पार किया था। इसके बाद स्वर्ण का फैसला रिप्ले में हुआ। इसमें पता चला कि लाइल्स 0.005 सेकंड से मुकाबला जीत गये हैं। फाइनल का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें स्वर्ण विजेता अमेरिका के लाइल्स से पहले थॉम्पसन का पैर फिनिशिंग लाइन को पार करते हुए दिखा है।

न्यूज़ ब्रीफ

पेरिस ओलंपिकः हॉकी के सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला जर्मनी से आज

नई दिल्ली। विश्व में पांचवें नंबर पर काबिज भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में चार बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और मौजूदा एफआईएच हॉकी विश्व कप चैंपियन जर्मनी से भिड़ेगी। रविवार को क्वार्टर फाइनल में चौथी रैंकिंग वाली जर्मनी की सातवीं रैंकिंग वाली अर्जेंटीना पर 3-2 से जीत के बाद आखिरकार यह मुकाबला पक्का हो गया है। दूसरे सेमीफाइनल में नीदरलैंड का मुकाबला स्पेन से होगा। नीदरलैंड, जो वर्तमान में तीसरी रैंकिंग वाली टीम है और जिसके पास दो ओलंपिक स्वर्ण हैं, ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की। छठी रैंकिंग वाली ऑस्ट्रेलिया, जो तीन बार विश्व कप विजेता भी है, को एक गंभीर झटका लगा क्योंकि उन्हें भारत से (1972 के बाद से ओलंपिक में एशियाई दिग्गजों के खिलाफ उनकी पहली हार) और नीदरलैंड से लगातार दो हार का सामना करना पड़ा। स्पेन ने अपने क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर एक और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम को 3-2 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में एक रोमांचक क्वार्टर फाइनल मैच में ग्रेट ब्रिटेन को हराया और रविवार को सेमीफाइनल में प्रवेश किया। निर्धारित समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबर था, अतः भारत ने शूटआउट में 4-2 से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में जगह बना ली।

पेरिस ओलंपिक : बेल्जियम ने मिश्रित रिले ट्रायथलॉन से नाम वापस लिया

पेरिस। बेल्जियम की ओलंपिक समिति ने रविवार को घोषणा की कि वह पेरिस 2024 ओलंपिक में मिश्रित रिले ट्रायथलॉन से अपनी टीम को हटा लेगी। बेल्जियम ने यह फैसला सीन नदी में तैरने वाले अपने एक प्रतियोगी के बीमार पड़ने के कारण किया है। बेल्जियम ओलंपिक और इंटरफेडरल कमेटी ने एक बयान में कहा कि क्लेयर मिशेल, जिन्होंने बुधवार को महिलाओं की ट्रायथलॉन में भाग लिया था, दुर्भाग्य से बीमार हैं और उन्हें प्रतियोगिता से हटना होगा। मिश्रित रिले ट्रायथलॉन सोमवार को होने वाला है, प्रतियोगिता का तैराकी भाग भी सीन में होना है। बयान में मिशेल की बीमारी के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया है, लेकिन यह नदी के पानी की गुणवत्ता पर चिंताओं के बाद आया है। आयोजकों ने कहा था कि नदी में बैक्टीरिया का स्तर उस स्तर पर था जिसे एथलीटों के लिए सुरक्षित माना जाता था। बेल्जियम समिति ने कहा, उम्मीद है कि ओलंपिक खेलों में भविष्य की ट्रायथलॉन प्रतियोगिताओं के लिए सबक सीखा जाएगा। हम यहां प्रशिक्षण के दिनों, प्रतियोगिता के दिनों और प्रतियोगिता के प्रारूप की गारंटी के बारे में सोच रहे हैं, जिसे पहले से स्पष्ट किया जाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एथलीटों, दल और समर्थकों के लिए कोई अनिश्चितता न हो।

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्राहम थोर्प का 55 वर्ष की आयु में निधन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्राहम थोर्प का लंबे समय से बीमारी से पीड़ित होने के बाद सोमवार को 55 वर्ष की आयु में निधन हो गया। 55 साल की उम्र में थोर्प के निधन से क्रिकेट जगत को झटका लगा है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने एक बयान में उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। ईसीबी ने एक बयान में कहा, फ्हमें यह खबर साझा करते हुए बहुत दुख हो रहा है कि ग्राहम थोर्प का निधन हो गया है। ग्राहम के निधन पर हमें जो गहरा सदमा लगा है, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। इंग्लैंड के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक होने के अलावा, वह क्रिकेट परिवार के एक प्रिय सदस्य थे और दुनिया भर के प्रशंसक उनका सम्मान करते थे। बयान में आगे कहा गया, उनकी कुशलता पर कोई सवाल नहीं था और 13 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में उनकी योग्यता और उपलब्धियों ने उनके साथियों और इंग्लैंड और सरे सीसीसी समर्थकों को बहुत खुशी दी। बाद में, एक कोच के रूप में, उन्होंने इंग्लैंड की सर्वश्रेष्ठ पुरुष टीम को खेल के सभी प्रारूपों में कुछ अविश्वसनीय जीत दिलाई। थोर्प ने 1993 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया और 90 के दशक के अंत और 2000 के दशक की शुरुआत में इंग्लिश बल्लेबाजी का मुख्य आधार रहे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 100 टेस्ट खेले और 44.66 की औसत से 6744 रन बनाए, जिसमें 16 शतक और 39 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका उच्चतम स्कोर 200* रहा।
वनडे में, इस उन्होंने 21 अर्द्धशतकों के साथ 37.18 की औसत से 2380 रन बनाए।

पेरिस ओलंपिक–2024

महिला टीम टेबल टेनिस स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा भारत

पेरिस।
ओलंपिक में पदार्पण कर रही भारत की महिला टेबल टेनिस टीम ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक 2024 में रोमानिया को 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ ने युगल मैच से शुरुआत की, जिसमें उन्होंने अदीना डायकोनू और एलिजाबेटा समारा को 11-9, 12-10, 11-7 से हराया।

इसके बाद मनिका बत्रा ने बर्नाडेट स्ज़ोक्स के खिलाफ़ सीधे गेम में 11-5, 11-7, 11-7 से जीत दर्ज की और

भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि, श्रीजा अकुला तीसरे मैच में समारा से 11-8, 4-11, 11-7, 6-11, 8-11 से हार गईं, जिससे मुकाबला चौथे गेम तक खिंच गया। इसके बाद अर्चना को स्ज़ोक्स के खिलाफ 5-11, 11-8, 7-11, 9-11 से हार का सामना करना पड़ा।

निर्णायक मैच में मनिका ने डायकोनू पर 11-5, 11-9, 11-9 से जीत हासिल की और भारत को 3-2 से जीत दिलाकर अंतिम 8 में पहुंचा दिया। रत का अगला मुक़ाबला संयुक्त राज्य अमेरिका और जर्मनी के बीच होने वाले राउंड ऑफ़ 16 के मैच के विजेता से होगा। अंतिम-आठ का मैच मंगलवार को होगा।

स्कीट मिक्स्ड टीम शूटिंग स्पर्धा में भारत चौथे स्थान पर रहा

अनंतजीत सिंह नरुका और माहेश्वरी चौहान की भारत की स्कीट मिश्रित टीम सोमवार को पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक मैच में चीन से 44-43 से हार गई। भारतीय टीम ने कुल 48 में से 43 लक्ष्य साधे। चीन ने एक कदम आगे रहते हुए 48 में से 44 छर्रे साधे और तीसरा स्थान प्राप्त किया। चीन की ल्यू जियानलिन ने 24 में से 24 शॉट पर परफेक्ट स्कोर बनाया। उनके साथी जियांग यिटिंग ने शॉट्स की दूसरी सीरीज में चार में से तीन शॉट मिस किए, लेकिन उन्होंने सुधार किया, और शेष में से केवल एक ही शॉट मिस किया। भारत के लिए अनंतजीत ने दो निशाने मिस किए, जबकि माहेश्वरी तीन में विफल रहीं। यह पहली बार था जब स्कीट शूटिंग में मिश्रित टीम स्पर्धा आयोजित की गई थी। बता दें कि भारत ने पेरिस ओलंपिक 2024 में अब तक तीन कांस्य पदक जीते हैं और तीनों ही निशानेबाजी में आए हैं।

पेरिस ओलंपिकः किरण पहल 400 मीटर स्पर्धा में सातवें स्थान पर रहीं, रेपेचेज स्पर्धा में लेंगी हिस्सा

भारतीय एथलीट किरण पहल सोमवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक 2024 में महिलाओं की 400 मीटर स्पर्धा के पहले दौर में हीट 5 में सातवें स्थान पर रहीं। किरण ने स्टेड डी फ्रांस में 52.51 सेकंड का समय निकाला और अपनी हीट में सातवें और कुल मिलाकर 39वें स्थान पर रहीं। हालांकि किरण सेमीफाइनल में जगह बनाने में विफल रहीं, लेकिन उनके पास पदक जीतने का मौका होगा क्योंकि वह सोमवार को रेपेचेज राउंड में भाग लेंगी। महिलाओं का 400 मीटर रेपेचेज राउंड भारतीय समयानुसार दोपहर 2:50 बजे निर्धारित है। विशेष रूप से, जेसविन एल्ड्रिन चल रहे पेरिस ओलंपिक में रविवार को स्टेड डी फ्रांस में पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा में क्वालीफिकेशन मार्क को पार करने में विफल रहे। एल्ड्रिन का सर्वश्रेष्ठ प्रयास और ग्रुप बी पुरुषों की लंबी कूद योग्यता में तीन में से उनकी एकमात्र सफल छलांग, 7.61 मीटर, उन्हें स्पर्धा के फाइनल में केंद्र में लाने के लिए पर्याप्त नहीं थी। एल्ड्रिन ने ग्रुप बी में 16 में से 13वां स्थान हासिल किया। वह 8.15 मीटर के योग्यता मानक को पार करने में विफल रहे। उनका प्रयास दोनों समूहों के शीर्ष 12 सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ताओं में स्थान पाने में उनकी मदद करने के लिए पर्याप्त नहीं था। कुल मिलाकर, वह 26वें स्थान पर रहे, जिससे 22 वर्षीय लॉन्ग जंपर का क्वालीफिकेशन राउंड में अभियान समाप्त हो गया।

पेरिस ओलंपिक : एन से यंग एकल में स्वर्ण पदक जीतने वाली दूसरी दक्षिण कोरियाई बनीं

पेरिस।
विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एन से यंग ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक में चीन की ही बिंगजियाओ को हराकर महिला एकल वर्ग का स्वर्ण पदक जीत लिया है। पोर्टे डे ला चैपल एरिना में खेले गए फाइनल मुकाबले में यंग ने बिंगजियाओ को 21-13, 21-16 से हराकर ओलंपिक बैडमिंटन में एकल स्वर्ण पदक के लिए दक्षिण कोरिया के 28 साल से चले आ रहे लंबे इंतजार को भी खत्म कर दिया।

22 वर्षीय एन, मौजूदा विश्व चैंपियन और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता, बैंग सू-ह्यून के बाद एकल पदक जीतने वाली दूसरी कोरियाई महिला बनीं। बैंग ने 1992 में बार्सिलोना में रजत पदक जीता था, जब बैडमिंटन ने पदक खेल के रूप में ओलंपिक में पदार्पण किया था, उसके चार साल बाद अटलांटा में स्वर्ण पदक जीता था।

कुल मिलाकर, यह कोरिया के लिए केवल चौथा एकल और 2004 में एथेंस में शॉन सेउंग-मो द्वारा पुरुष वर्ग में रजत जीतने के बाद पहला पदक है।

इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का टुनजुंग ने स्पेन की कैरोलिना मारिन से वॉकओवर प्राप्त करने के बाद कांस्य पदक जीता। रियो ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता मारिन को घुटने में चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें न केवल हे के खिलाफ सेमीफाइनल से हटना पड़ा, बल्कि कांस्य पदक मैच से भी बाहर होना पड़ा।

एन का स्वर्ण पदक दक्षिण कोरिया के लिए मौजूदा संस्करण का 11वां पदक है, जिससे वह पदक तालिका में ग्रेट ब्रिटेन को पीछे छोड़कर पांचवें स्थान पर पहुंच गया है।

जरुरत से ज्यादा दबाव नुकसानदेह रहा : अल्काराज

पेरिस। स्पेन के कार्लोस अल्काराज पेरिस ओलंपिक में मिली हार से निराश हैं। अल्काराज को फाइनल में सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने हराया था। अल्काराज ने कहा कि वह इस मैच में अधिक दबाव में आ गये थे। इससे अल्काराज का सबसे कम उम्र में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने का सपना भी टूट गया। इसके अलावा वह अपने ही देश के राफेल नडाल के रिकार्ड की भी बराबरी नहीं कर पाये। नडाल ने साल 2008 में अपने पहले प्रयास में ही स्वर्ण पदक जीता था।

बांग्लादेश में कर्फ्यू के कारण क्रिकेट टीम की टेस्ट तैयारी प्रभावित

नई दिल्ली।
पाकिस्तान के खिलाफ आगामी दो मैचों की श्रृंखला के लिए बांग्लादेश की तैयारियों को झटका लगा है क्योंकि देश में चल रहे राजनीतिक संकट के कारण उनके निर्धारित प्रशिक्षण सत्र बाधित हुए हैं।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) अधिकारियों ने क्रिकबज को बताया कि उन्हें यकीन नहीं है कि वे अगले अभ्यास सत्र की तारीख की घोषणा कब कर सकते हैं क्योंकि सरकार ने अनिश्चित काल के लिए देशव्यापी कर्फ्यू की घोषणा की है। बांग्लादेश को 17 अगस्त को दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए पाकिस्तान जाना है, जो आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। सीरीज का पहला टेस्ट 21-25 अगस्त को रावलपिंडी में खेला जाएगा। कराची 30 अगस्त से 3 सितंबर तक दूसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा। बीसीबी के एक अधिकारी ने क्रिकबज से कहा, हमें नहीं पता कि हम अभ्यास कब कर पाएंगे, क्योंकि अनिश्चित काल के लिए कर्फ्यू लगा हुआ है। हमारा प्रशासन मामले को देख रहा है और मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी देने के बाद हम स्थिति को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने एक बयान के माध्यम से कहा कि कर्फ्यू अगले नोटिस तक लागू रहेगा। गृह मंत्रालय के बयान में कहा गया है,

कर्फ्यू अनिश्चित काल तक जारी रहेगा। ढाका महानगर सहित सभी संभागीय शहरों, नगर निगमों, नगर पालिकाओं, औद्योगिक क्षेत्रों, जिला मुख्यालयों और उपजिला मुख्यालयों में अगले नोटिस तक कर्फ्यू लागू किया गया है। बांग्लादेश को रविवार से एसबीएनएस में अपने कौशल प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत मुख्य कोच चंदिका हथुरुसिंघा के मार्गदर्शन में करनी थी, जो 1 अगस्त को ढाका पहुंचे थे। मुश्ताक अहमद (स्पिन बॉलिंग कोच), आंद्रे एडम्स (पेस बॉलिंग कोच), डेविड हेम्प (बल्लेबाजी कोच), निक पोथास (सहायक कोच) और नाथन केली सहित अन्य कोचिंग स्टाफ सदस्य भी वर्तमान में ढाका में हैं। इस बीच, बीसीबी के एक अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश ए टीम का पाकिस्तान दौरा अभी भी तय कार्यक्रम के अनुसार चल रहा है, लेकिन उन्होंने कहा कि वे मौजूदा स्थिति को देखते हुए कुछ भी गारंटी नहीं दे सकते।

नेपाल ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग दो त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए घोषित की प्रारंभिक टीम

नई दिल्ली।
नेपाल ने आगामी आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग 2 त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए अपनी प्रारंभिक टीम घोषित कर दी है। अगले महीने होने वाली इस श्रृंखला में कनाडा और ओमान दो अन्य टीमें हैं। इस महत्वपूर्ण श्रृंखला की तैयारी के लिए 22 खिलाड़ियों की टीम एक बंद प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लेगी।

हाल ही में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप और इस साल की पिछली लीग 2 त्रिकोणीय श्रृंखला में भाग लेने वाले अधिकांश खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है। हालाँकि, कुछ उल्लेखनीय खिलाड़ी टीम से बाहर हैं। जून में टी20 विश्व कप के लिए यूएसए और कैरेबियाई दौरे पर गए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज प्रैटिस जीसी और ऑलराउंडर अविनाश बोहारा को टीम में शामिल नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त, पवन सर्राफ इस साल की शुरुआत में नेपाल के लीग 2 अभियान में योगदान देने के बाद चोट के कारण बाहर हैं।

उनकी जगह नेपाल ए के लिए खेलते हुए शानदार फॉर्म दिखाने वाले ऑलराउंडर बसीर अहमद को टीम में जगह मिली है। अन्य नए खिलाड़ियों में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज रिजन ढकाल, तेज गेंदबाज कमल सिंह ऐरी और युवा आकाश चंद शामिल हैं, जो सभी त्रिकोणीय श्रृंखला

में खेलने के लिए दावेदार हैं।

नेपाल वर्तमान में लीग 2 स्टैंडिंग में इस साल की शुरुआत में नामीबिया और नीदरलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेले गए चार मैचों में से केवल एक जीत के साथ छठे स्थान पर है।

कनाडा लीग 2 में शीर्ष टीमों में से एक है, जिसने इस साल की शुरुआत में चार जीत के साथ अजेय रिकॉर्ड कायम किया है। पांचवें स्थान पर ओमान है, जिसने भी चार मैच खेले हैं। आगामी त्रिकोणीय श्रृंखला नेपाल के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका लक्ष्य लीग 2 में अपनी स्थिति में सुधार करना और भविष्य के टूर्नामेंटों के लिए बेहतर स्थिति सुरक्षित करना है।

नेपाल की प्रारंभिक टीम

रोहित पौडेल (कप्तान), कुशल भुर्टेल, आसिफ शेख, अनिल साह, देव खनाल, भीम सार्की, आरिफ शेख, कुशल मल्ला, दीपेंद्र सिंह ऐरी, अर्जुन सऊद, सोमपाल कामी, करण केसी, गुलसन झा, कमल सिंह ऐरी , रिजन ढकाल, संदीप लामिछाने, ललित राजबंशी, सूर्या तमांग, बसीर अहमद, आकाश चंद, सागर ढकाल, संदीप जोरा।

डूरंड कप हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है : खालिद

जमशेदपुर।
स्टील सिटी जमशेदपुर में इंडियन ऑयल डूरंड कप के 133वें संस्करण की शुरुआत हो चुकी है, इस बार घरेलू टीम जमशेदपुर एफसी ने अपने शुरुआती दो मुकाबलों को जीतकर खुद को खिताब के दावेदारों में से एक घोषित कर दिया है। एआईएफएफ मेन्स कोच ऑफ द ईयर 2023-24 खालिद जमील की अगुआई में रेड माइनर्स ने अब तक पांच गोल किए हैं और सिर्फ एक गोल खाया है।

अपनी टीम के अब तक के प्रदर्शन को लेकर कोच खालिद ने कहा, ग्रुप स्टेज में अभी भी हमारा एक गेम बचा है और हम उस गेम पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमें गेम जीतने और ग्रुप स्टेज को पूरे अंकों के साथ खत्म करने की कोशिश करनी चाहिए।

उन्होंने ग्रुप स्टेज में जमशेदपुर एफसी के अंतिम प्रतिद्वंद्वी इंडियन आर्मी एफटी के खिलाफ मैच को लेकर कहा, हम उनकी ताकत और कमजोरियों का विश्लेषण करेंगे, वे बहुत फिट और शारीरिक रूप से मजबूत टीम हैं। हम उनके दोनों मैच देखेंगे और उसके अनुसार योजना बनाएंगे,

खालिद जमील ने 2023-24 इंडियन सुपर लीग सीजन के मध्य में जमशेदपुर एफसी के मुख्य कोच के रूप में कार्यभार संभाला और अपनी टीम को प्ले-ऑफ़ में जगह बनाने के बहुत करीब ले गए। क्लब ने पूर्व आई-लीग विजेता कोच पर अपना भरोसा जारी रखने का फैसला किया और अगले दो सीज़न के लिए उनका अनुबंध बढ़ा दिया।

उन्होंने कहा, जमशेदपुर एफसी

परिवार का हिस्सा बनना मेरे लिए खुशी की बात है। मैं वास्तव में खुश हूं कि प्रबंधन ने मुझे मौका दिया है। मुझे एक कोच के रूप में कड़ी मेहनत करनी होगी और खिलाड़ियों को भी जमशेदपुर एफसी के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की मानसिकता प्रदान करनी होगी।

जमशेदपुर और शिलांग को डूरंड कप के 133वें संस्करण के लिए नए मेजबान के रूप में जोड़ा गया ताकि क्षेत्रों में नागरिक-सैन्य संबंधों को मजबूत किया जा सके।

टूर्नामेंट के महत्व पर कोच खालिद ने कहा, डूरंड कप भारत में वर्तमान में आयोजित सबसे पुराना और सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंटों में से एक है। टूर्नामेंट के आयोजन को बहुत अच्छी तरह से अंजाम दिया गया है और मुझे उम्मीद है कि वे आने वाले वर्षों में भी ऐसा ही करते रहेंगे।

उन्होंने आगे कहा, डूरंड कप हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। हम सभी खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धता के आधार पर मौका देना चाहते हैं और यह सुनिश्चित करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ संयोजन मैदान में उतारना चाहते हैं कि हम परिणामों से समझौता न करें।

अपने विभिन्न प्रबंधकीय कार्यकालों के बीच, खालिद जमील के लिए जो सबसे खास है, वह है उनके खिलाड़ियों के साथ उनका रिश्ता। और यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उनके दो पूर्व छात्र, आशुतोष मेहता और एल्विनो गोम्स इस सीजन में जमशेदपुर एफसी में उनके साथ शामिल हुए।

खिलाड़ियों के साथ अपने खास रिश्ते के बारे में खालिद ने कहा, इसमें कोई रहस्य नहीं है; एक कोच के रूप में मैं अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाना चाहता हूँ। मैं उन्हें कड़ी मेहनत करने और अपना सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खेलने के लिए प्रेरित करता हूं। अगर कोई अपने प्रदर्शन से जूझ रहा है, तो मैं उन्हें अपना सौ प्रतिशत देने के लिए और अधिक प्रेरित करना सुनिश्चित करता हूं।

द हंड्रेड टूर्नामेंट में करेन का धमाकेदार प्रदर्शन

लंदन। इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करेन ने द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट में अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा है। करेन ने यहां लंदन स्प्रिट की ओर से खेलते हुए आक्रामक बल्लेबाजी के बाद एक हैट्रिक भी लगायी। उन्होंने इस मैच में हैट्रिक लगाने के साथ ही कुल 5 विकेट लेकर ओवल इंविंसिबल टीम को ध्वस्त कर दिया। करेन के इस प्रदर्शन से लंदन स्प्रिट की टीम को 30 रन से हार का सामना करना पड़ा है। करेन ने पहले लियाम डॉसन और उसके बाद ओली स्टोन को आउट किया। वहीं इसके बाद आंद्रे रसेल को सैम बिलिंग्स के हाथों कैच कराकर अपनी हैट्रिक पूरी की। इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए सैम करेन ने 22 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाकर अपनी टीम को 147 के स्कोर पर पहुंचाया। इस मैच मे सैम बिलिंग्स की कप्तानी में ओवल इंविंसिबल्स टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 147 रन बनाए।

हेल्थ नॉलेज

ऊंचाई पर जी मिचलाने की बीमारी को पहचानें...

अधिक ऊंचाई का रोग मनुष्यों को ऊंचे स्थानों पर होने वाला प्रभाव है जो अधिक ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कम मात्रा के कारण होता है। इसे एएमएस यानी एक्यूट माउंटेन सिकनेस, ऊंचाई का रोग,अल्टीट्यूड सिकनेस, हाइपोबारोपेथी, द अल्टीट्यूड बेंड्स या सोरोची भी कहा जाता है। सामान्यतया यह 2,400 मीटर यानी 8,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर होता है। यह मुख्यत: पर्वतारोहियों, ऊंचाई पर चलने या चढ़ने वालों, स्कीइंग करने वालों या यात्रियों को प्रभावित करता है। वायुमंडलीय दबाव में होने वाली कमी सांस लेना कठिन बनाती है। रोग के अधिकतर मामले हलके होते हैं। यदि आप नीचे उतर आएं तो लक्षण जल्दी ठीक हो जाते हैं।

जांच और परीक्षण

डॉक्टर द्वारा स्टेथोस्कोप के प्रयोग से किये जाने वाले शारीरिक परीक्षण में फेफड़ों से चटकने की आवाज मिल सकती है। यह आवाज फेफड़ों में तरल पदार्थ की उपस्थिति का सूचक है। अन्य जाँचों में रक्त परीक्षण, मस्तिष्क सीटी स्केन, छाती का एक्स-रे, इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी) आदि हैं।

ये सावधानियां जरूरी

3000 मीटर से अधिक या जिस ऊंचाई पर ऑक्सीजन की पूर्णता की मात्रा तेजी से गिर जाये, वह गर्भवती महिला के लिए उचित नहीं है। अधिक ऊंचे स्थानों पर, शरीर की बढ़ी हुई सहानुभूतिपरक प्रक्रिया से रक्तचाप में वृद्धि हो सकती है, किन्तु यह हानिकारक स्तर तक नहीं पहुंचती। इसलिए ऊंचे स्थानों पर लोगों को अपने रक्तचाप की दवाएं लेते रहना चाहिए। ऊंचे-स्थान पर रक्तचाप वृद्धि का संभावित कारण शरीर की एड्रीनर्जिक गतिविधि हो सकती है, इसलिए लक्षण वाले रोगियों या अस्थिर रक्तचाप वाले रोगियों को एंटी-एड्रीनर्जिक दवा दी जाती है। यात्रा के कुछ सप्ताह पूर्व से अपनी दवा लेना शुरू कर देना और यात्रा के दौरान स्फिग्मोमेनोमीटर रखना उत्तम होता है।

दवा के दुष्प्रभाव

एसिटामोलामाईड कभी-कभी ऊंचाई की बीमारी के लक्षणों को कम करने के लिए बचाव की औषधि के रूप में प्रयोग होता है। यह आपकी ऊंचाई के प्रति अनुकूलन को बढ़ा देता है किन्तु ऊंचाई की बीमारी होने से नहीं रोकता। एसिटामोलामाईड लेने के बाद कुछ लोगों को झुनझुनी का अनुभव (खासकर अपने पैरों, हाथों और चेहरे पर) होता है और बार-बार मूत्रत्याग की आवश्यकता महसूस होती है। अन्य संभावित दुष्प्रभावों में उल्टी, सिरदर्द, चक्कर आना, और दस्त हैं। एसिटामोलामाईड गैस युक्त पेयों का स्वाद भी बदल सकता है, और कभी-कभी लोगों को चकत्ते उत्पन्न हो सकते हैं। अधिक ऊंचाई के मार्गों पर बवासीर आम समस्या है, इलाज में गर्म सिंकाई, हाइड्रोकार्टिसोन ऑइंटमेंट का प्रयोग, और कब्ज से बचने के तरीके आदि आते हैं।

स्पा मैनेजर के लिए

क्या है जरूरी योग्यताएं

वर्तमान समय में, युवा पारंपरिक नौकरियों की बजाय कुछ नए क्षेत्रों में अपना हाथ आजमा रहे हैं। आज बच्चे सिर्फ इंजीनियर या डॉक्टर बनने की चाह नहीं रखते हैं, बल्कि वे योगा इंस्ट्रक्टर या जिम ट्रेनर बनके लोगों की हेल्थ संवार रहे हैं। अगर आप भी कुछ हटकर करना चाहते हैं और आपको लोगों से मिलना अच्छा लगता है। साथ ही आपमें लीडरशिप क्वालिटीज भी हैं तो आप बतौर स्पा मैनेजर बनकर अपना उज्ज्वल भविष्य देख सकते हैं।

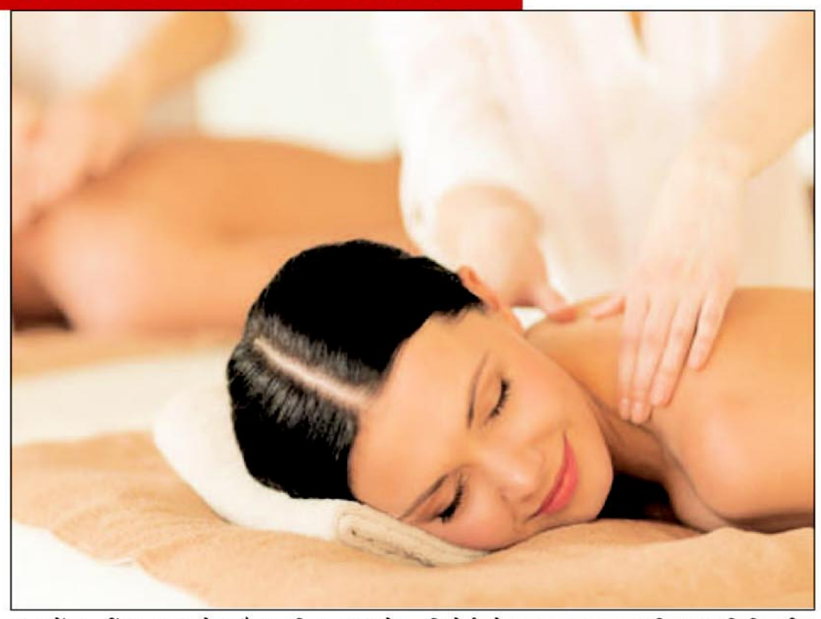

क्या होता है काम

एक स्पा मैनेजर का काम पूरे स्पा को बेहतर तरीके से संभालना होता है। इसके लिए उसे स्टाफ पर नजर रखने के अतिरिक्त आर्डर की सप्लाई, क्लांइट्स को अच्छी सर्विस देना व स्पा में अधिक से अधिक लोगों को सर्विस लेने के लिए प्रोत्साहित करना होता है। इसके अतिरिक्त वह स्पा के लिए कुछ मार्केटिंग एक्टिवटीज व मार्केटिंग प्लानिंग में भी हिस्सा लेता है। वहीं स्पा मैनेजर स्पा के बजट को ध्यान में रखकर अपना कार्य करता है व साप्ताहिक वर्क शेड्यूल भी तैयार करता है। अपने यहां कार्यरत लोगों की एबिलिटी को निखारने के लिए वर्कशॉप आर्गेनाइज कराना भी उसके ही कार्य का एक हिस्सा होता है।

स्किल्स

अगर आप अपने क्षेत्र में सफलता की नई उंचाइयों को छूना चाहते हैं तो आपके भीतर कुछ गुणों का होना बेहद आवश्यक है। मसलन, आपका कंप्यूटर सेवी, स्ट्रांग कम्युनिकेशन स्किल व इंटरपर्सनल स्किल भी बेहतर होना चाहिए। इतना ही नहीं, आपको पूरे स्पा को मैनेज करना होता है, इसलिए आपके भीतर आर्गेनाइजेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए। आपको न सिर्फ अपने यहां कार्यरत लोगों की क्षमताओं को पहचानना आना चाहिए, बल्कि उनकी क्षमताओं के हिसाब से बेहतर काम करवाना भी आना चाहिए। दूसरे शब्दों में, आपके भीतर एक लीडरशिप क्वालिटी होनी चाहिए। साथ ही आपको स्पा इंडस्ट्री के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए, तभी आप अपने काम को बेहतर तरीके से अंजाम दे पाएंगे। चूंकि अपने काम के दौरान आपको अलग-अलग प्रकार के लोगों से मिलना व उन्हें कन्वींस करना होता है, इसलिए आपको हर तरह के लोगों को डील करना आना चाहिए।

योग्यता

इस क्षेत्र में अपना भविष्य देख रहे छात्र मैनेजमेंट, हयूमन रिर्सोसेज या इससे संबंधित कोर्स में बैचलर डिग्री प्राप्त करके नौकरी की तलाश कर सकते हैं। अगर आप चाहें इन कोर्सेस में पोस्ट ग्रेजुएट भी कर सकते हैं लेकिन अधिकतर जगहों पर नौकरी के लिए बैचलर डिग्री ही पर्याप्त होती है। इसके अतिरिक्त आप स्पा मैनेजमेंट या हयूमन रिसोर्सेज आदि कोर्सेस में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स भी कर सकते हैं।

संभावनाएं

जिस प्रकार लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर काफी जागरूक हो रहे हैं, उसे देखते हुए हर शहर में जिम एंड स्पा फैसिलिटी शुरू हो गई है। जिसके कारण स्पा मैनेजर की जॉब को भी एक नई ग्रोथ मिली है। एक स्पा मैनेजर पार्ट टाइम, फुल टाइम या कॉन्टैक्ट बेसिस पर भी काम कर सकता है। स्पा मैनेजर की आवश्यकता होटल रिसोर्ट, हेल्थ क्लब, क्रूस शिप या चिकित्सीय सैलून आदि में जॉब की संभावनाएं तलाश कर सकते हैं। एक स्पा मैनेजर विदेशों में भी जॉब के लिए अप्लाई कर सकता है।

आमदनी

एक स्पा मैनेजर की सैलरी उसके अनुभव व संबंधित संस्थान पर भी काफी हद तक निर्भर करती है। फिर भी शुरूआती रूप से दस हजार से पंद्रह हजार रूपए आसानी से कमाए जा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- अन्नाबेल स्पा इंस्टीट्यूट, केरल
- हेयर एंड ब्यूटी एकेडमी, गुजरात
- गंगा स्पा एंड सेलोन एकेडमी, अहमदाबाद
- आईएसटीएचएए-स्पा एंड आयुर्वेद एकेडमी, विभिन्न केन्द्र
- प्योरटच स्पा एकेडमी, केरल
- इंटरनेशनल स्कूल ऑफ एस्थेटिक्स एंड स्पा, महाराष्ट्र

अपने पुराने स्मार्टफोन को इन तरीकों से बनाएं सिक्योरिटी कैमरा

आजकल लोग हर दो-तीन साल में अपने फोन को अपग्रेड करते हैं। ऐसी स्थिति में पुराने फोन का कोई खास इस्तेमाल नहीं रह जाता है। अगर पुराने फोन का कैमरा सही स्थिति में हो तो उसका इस्तेमाल सीसीटीवी या फिर सिक्योरिटी कैमरे की तरह भी किया जा सकता है। इस तरह आप अपने घर, ऑफिस, बच्चों या फिर पेट्स से दूर रहने के बावजूद उन पर नजर रख सकते हैं। तो आइए जानते हैं कैसे

ऐसे करेगा काम

इसके लिए सबसे पहले आपको एक एप डाउनलोड करना होगा। प्ले स्टोर या एप स्टोर से 'सिक्योरिटी कैमरा' एप को डाउनलोड कर लें। आपको बता दें कि यह एप एंड्रायड और OS दोनों पर काम करेगा।

ऐसे करें इस्तेमाल

1. सबसे पहले 'सिक्योरिटी कैमरा' ऐप को अपने फोन में डाउनलोड करें।
2. ऐप डाउनलोड होने के बाद यूजर्स से उसके गूगल अकाउंट की डिटेल मांगी जाएगी। यूजर अपनी गूगल अकाउंट की डिटेल को ऐप में सबमिट करें।
3. यूजर्स को अपना नाम और पासवर्ड भरने के बाद एंटर करे। अब आपको दो ऑप्शन 'कैमरा और व्यूअर, नजर आएगा।
4. इसमें अब कैमरा ऐप क्लिक करें और नेक्स्ट बटन पर क्लिक करें।
5. कैमरा ऐप को सिलेक्ट करने के बाद आपके फोन में अपने आप कैमरा चालू हो जाएगा। अब कैमरा व्यूअर क्लाइंट का वेट करेगा।
6. हो सकता है कि आपका स्मार्टफोन यूजर स्क्रीन व्यू को भी सिलेक्ट करे।
7. अब स्मार्टफोन का कैमरा ब्लैंक या फिर विजिबल मोड में जा सकता है।
8. अगर आप ब्लैंक स्क्रीन विकल्प को चुनते है तो स्मार्टफोन की स्क्रीन रिकॉर्डिंग के दौरान ऑफ रहेगी।
9. अब आप अपने कैमरे के जरिए बैकग्राउंड की स्ट्रीमिंग (लाइव वीडियो) भी की जा सकती है।
10. अब आपको ऐसी जगह का चुनाव करना है जहां से वीडियो सही से हो सके।

नोट: फोन को चार्जर से कनेक्ट करके ही रखे। फोन के बंद हो जाने की स्थिति में रिकॉर्डिंग को नहीं देखा जा सकता। इसलिए लगातार फोन को चेक करते रहें।

कान में झुमका फेदर वाला...

इयररिंग्स की बात करें तो बड़े-लटकते डैंजलर्स या झुमकी के साथ-साथ जब हमारी नजर फेदर इयररिंग्स, स्टड्स या बीडेड टॉप्स पर जाती है तो मन खुश हो जाता है। ये वजन में हल्के होने के साथ ही मल्टीकलर में भी मिलते हैं।

कुछ साल पहले मोर पंख वाले इयररिंग्स बाजार में भरे हुए थे। जींस पहनी हो या कॉटन की साड़ी, ये खूब जमते थे। मोर पंख वाले इयररिंग्स से आगे निकलकर अब रंग-बिरंगे फेदर इयररिंग्स बाजार में दिख रहे हैं। हर रंग और आकार में उपलब्ध ये इयररिंग्स बेहद खूबसूरत और आकर्षक दिखते हैं। आप इन्हें किसी भी ड्रेस के साथ पहन लें, यह अच्छे दिखते हैं। इन दिनों तो ब्लैक मेटल के टॉप्स के साथ फिक्स फेदर वाले इयररिंग्स नए आए हैं, जिन्हें वेस्टर्न ड्रेसेज के साथ खूब पहना जा रहा है। यहां तक कि कॉकटेल ड्रेस के साथ बोल्ड रंगों में फेदर इयररिंग्स को सेलिब्रिटीज भी खूब पहन रहे हैं। इनमें तो इतने लंबे इयररिंग्स भी फैशन में इन हैं, जो कान से नीचे लटक कर टॉप पर सामने की ओर आ रहे हैं और आपकी पर्सनालिटी में चार चांद लगाने को उत्सुक हैं।

इयर कफ्स

इंटरनेशनल सेलिब्रिटीज से लेकर बॉलीवुड हीरोइन्स इस ट्रेंड को बड़ा प्लेटफॉर्म प्रदान कर रही हैं। रिहाना से लेकर एमा वाटसन और सोनम कपूर से काजोल ने इयर कफ्स को खूब जमकर पहना है। ड्रैगन से लेकर स्नेक, इजिप्शियन मोटिफ से लेकर स्पाइक और हैंजलर्स आपकी पर्सनालिटी को निखार देंगे। कॉकटेल ड्रेस के साथ फेदर्ड इयर कफ काफी अच्छे लगते हैं। जींस और टी- शर्ट कॉम्बो के साथ एक ही कान में इयर कफ पहनें। पारंपरिक परिधानों के साथ इजिप्शियन मोटिफ वाले इयर कफ अच्छे लगेंगे।

मल्टीकलर टॉप्स

टॉप्स सिर्फ बच्चों के लिए नहीं होते। इन्हें बड़े भी पहनते हैं और अच्छे दिखते भी हैं। मल्टीकलर में कई डिजाइन के टॉप्स बाजार में छाए हुए हैं। फ्लावर पावर देखना हो या एनिमल्स का जादू, एजटेक प्रिंट की बात हो या पोल्का डॉट्स की, टॉप्स पर ये सारे डिजाइन छाए हुए हैं। जींस टॉप पर तो ये बेमिसाल दिखते हैं, कुर्ती के साथ पहनने के लिए किसी ने मना तो नहीं किया है।

हर रंग में स्टड्स

स्टड्स यूं तो व्हाइट स्टोन में ही कमाल के दिखते हैं लेकिन इन दिनों हर रंग और कट में स्टड्स मिलने लगे हैं। इन्हें आप पारंपरिक परिधानों के साथ ही वेस्टर्न ड्रेसेज के साथ पहन सकती हैं। व्हाइट के अलावा, ब्लैक, पिंक, पीच, नीला जैसे रंग स्टड्स के लिहाज से हॉट पसंद हैं। कॉकटेल ड्रेसेज के साथ तो स्टड्स से बेहतरीन कोई और कॉम्बिनेशन नहीं है। बाल को बांध लें और बड़ा सा स्टड्स कानों में पहन लें, आपकी स्मार्टनेस का कोई जवाब नहीं होगा।

क्या है एक्सपायरी डेट का सच...?

बाजार से खरीदी जाने वाली लगभग हर चीज पर उत्पादन और एक्सपायरी डेट लिखी होती है, साथ ही कई निर्देश भी। क्यों अंकित की जाती है एक्सपायरी डेट...क्या आपको पता हैं इन निर्देशों का मतलब? इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान जरुर रखना चाहिए

जब भी हम बाजार से कोई सामान खरीदते हैं, तो हमारा ध्यान सिर्फ उसकी एक्सपायरी डेट पर होता है। लेकिन कुछ मैसेज इससे भी जरूरी हो सकते हैं, जिन्हें आपको समझना होगा। एक्सपायरी डेट सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण..होती है, खाद्य पदार्थों, पेय पदार्थों एवं दवाईयों के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली वस्तुओं के लिए। लेकिन हर चीज सिर्फ एक्सपायरी डेट तक ही सुरक्षित हो, यह जरूरी नहीं है। एक्सपायरी डेट, वस्तुओं पर हमारी सुरक्षा के लिहाज से अंकित की जाती है, लेकिन अन्य निर्देशों को समझने का तरीका पता होना भी हमें जरूरी है।

पदार्थों की फ्रेशनेस

एक्सपायरी डेट एक अनुमान के मुताबिक डाली जाती है, जिसका संबंध खाद्य पदार्थों की फ्रेशनेस से होता है, यह जरूरी नही कि उनका संबंध सुरक्षा से ही हो। खाद पदार्थों की पैकिंग पर विक्रय की तारीख भी अंकित होती है, जो कि विक्रेताओं के लिए होती है। यह एक तरह की गाइडलाइन है, कि इस तारीख तक कि विक्रेता, संबंधित उत्पाद को बेच सकते हैं। कई उत्पादों पर बेस्ट इफ यूज्ड बाय डेट भी डली होती है, जिसका मतलब होता है, नीयत तारीख तक प्रयोग करने पर संबंधित वस्तु की गुणवत्ता और स्वाद बरकरार रहेगा। बेकरी उत्पादों पर गारंटीड फ्रेश डेट का होना दर्शाता है, कि संबंधित दिनांक तक उत्पाद का स्वाद और फ्रेसनेस बरकरार रहेगी। लेकिन इस दिनांक के बाद इनमें परिवर्तन आ सकता है। जरूरी नहीं है, कि वह उत्पाद उस दिनांक को एक्सपायर हो। एक्सपायरी डेट एकमात्र उत्पाद की सुरक्षा से संबंधित विकल्प है। इस डेट की सीमा पार हो जाने पर बेशक आपको संबंधित उत्पाद को फेंक देना चाहिए। जब भी कोई सामान खरीदें, हर तरह से पड़ताल करें। लेकिन किसी भी प्रकार का संशय होने की स्थिति में उस उत्पाद का प्रयोग बिल्कुल न करें।

इन छोटी-छोटी बीमारियों को झट दूर करेगा यह जादुई नुस्खा

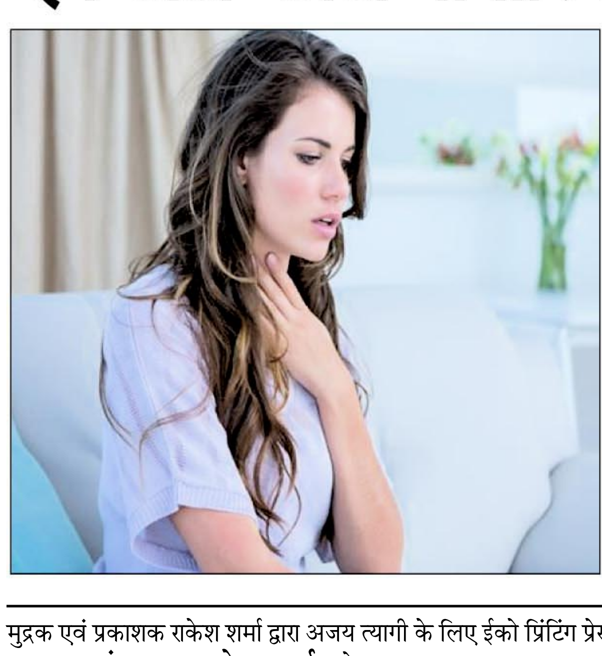

बदलते लाइफस्टाइल में सेहत से जुड़ी छोटी-छोटी समस्याएं होना आम है। इन समस्याओं में हार्टबर्न, पेट संबंधी रोग, सिर दर्द, जोडों का दर्द और कफ, जुकाम और बुखार आम देखने को मिलता है। इन परेशानियों को लेकर डॉक्टर्स के पास जाते हैं जिस वजह से आपको कैमिकल्स युक्त दवाइयों का सेवन करना पड़ता है। यह दवाइयां किसी-किसी को सूट करती है लेकिन कुछ लोगों के लिए अन्य परेशानियों का कारण बन जाती है। इससे सेहत तो खराब होती है और पैसा जाता भी दिखाई देता है। अगर आप इन रोगों का इलाज घर पर कर सकें तो कहीं ओर क्यों जाना? ऐसे में घर पर पड़ी चीजों का इस्तेमाल करें जो आपके इन छोटे-छोटे रोगों को झट से दूर कर देंगी। हम आपको एक ऐसा ही नुस्खा बताने जा रहे है जो आपके काम आएगे।

इन रोगों में काम आएगा यह नुस्खा

- वजन कम करें
- सूजन
- कमजोरी
- स्किन के लिए फायदेमंद
- कोलेस्ट्रॉल और ब्लडप्रैशर कंट्रोल
- पाचनक्रिया में सुधार
- कब्ज से राहत
- जोड़ो का दर्द
- पेट की गैस

ड्रिंक बनाने की सामग्री

- 1 चम्मच एप्पल साइडर विनेगर
- 1 चम्मच शहद
- 1 कप Apple cider vinegar

बनाने का तरीका

ऊपर बताई सारी सामग्री को आपस मिला लें और ड्रिंक तैयार कर लें। इस ड्रिंक को रोजाना सुबह नाश्ता करने से 30 मिनट पहने पिएं। अगर आप चाहे तो जरूरत के अनुसार इस सामग्री को बढ़ा या घटा सकते है लेकिन इस नुस्खे को आजमाने से पहले अपनी किसी अच्छे डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

रेसिपी

पनीर सैंडविच

सामग्री

ब्रेड स्लाईस आवश्यकतानुसार, आलू (उबले हुए), थोड़ा मक्खन, नमक स्वादानुसार, आधा चम्मच काली मिर्च, एक हरी मिर्च, पनीर की स्लाईस, एक चम्मच घी, बारीक कटे हुए टमाटर

विधि

पनीर सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में उबले हुए आलू को मैश कर लें और उसमें नमक,काली मिर्च,हरी मिर्च,टमाटर डालकर अच्छी तरह मिक्स कर ले। इसके बाद ब्रेड स्लाईस के ऊपर थोड़ा मक्खन लगाकर, आलू के तैयार मिश्रण को इसके ऊपर डालकर फिर पनीर की स्लाईस रख दें और इसके ऊपर ब्रेड स्लाईस रख दे। अब टोस्टर को गर्म करके उसमें थोड़ा घी लगा दें और उसमें यह सभी ब्रेड स्लाईस रख दे। कुछ समय के बाद इन्हें निकाल ले। अब तैयार है आपके गर्मागर्म सैंडविच।

अचारी दही भिंडी

सामग्री

500 ग्राम भिंडी, 2 बड़ा चम्मच तेल, 2 छोटा चम्मच सौंफ, 1 छोटा चम्मच कलौंजी, 1 चौथाई छोटा चम्मच मेथी, 2 छोटा चम्मच अदरक का पेस्ट, 1 चौथाई कप दही, 1 चौथाई छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 3 चौथाई छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 2 बड़े चम्मच धनिया पाउडर

विधि

500 ग्राम भिंडी लें। सभी के बीच में चीरा लगाकर लम्बे टुकड़े करें। 2 बड़े चम्मच तेल गर्म करें। इसमें भिंडी तल लें। दोबारा 2 बड़े चम्मच तेल गर्म करें। इसमें 2 छोटे चम्मच सौंफ, 1 छोटा चम्मच राई, डेढ़ छोटा चम्मच कलौंजी, एक चौथाई छोटा चम्मच मेथी दाना और चुटकीभर हींग डालकर पकाएं। अब 2 छोटे चम्मच अदरक का पेस्ट डालकर अच्छी तरह भून लें।एक चौथाई कप ताजा गाढ़ा दही लें। इसमें एक चौथाई छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, तीन चौथाई छोटे चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 2 बड़े चम्मच धनिया पाउडर और स्वादानुसार नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। तैयार दही पैन में डालें। एक मिनट बाद इसमें तली हुई भिंडी डालकर अच्छी तरह मिला लें। दो मिनट बाद आंच से उतार लें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**